आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 167 | उज्जैन, शनिवार 10 मई 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

मध्यप्रदेश-महाराष्ट्र अंतर्राज्यीय नियंत्रण मंडल की 28वीं बैठक 10 मई को

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिति में मध्यप्रदेश-महाराष्ट्र अंतर्राज्यीय नियंत्रण मंडल की 28वीं बैठक 10 मई को अपरान्ह 3 बजे से मंत्रालय वल्लभ भवन में होगी। इसी दिन विश्व की सबसे बड़ी ग्राउण्ड वाटर रिचार्ज परियोजना ताप्ती बेसिन मेगा रीचार्ज के एम.ओ.यू. पर मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र सरकार द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रदेश के लिए यह सौभाग्य एवं गौरव का विषय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन-बेतवा लिंक परियोजना और पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना के बाद यह मध्यप्रदेश की तीसरी महत्वपूर्ण अंतर्राज्यीय नदी परियोजना होगी। ताप्ती बेसिन मेगा रीचार्ज परियोजना विश्व की सबसे बड़ी ग्राउण्ड रिचार्ज परियोजना है। परियोजना के जरिए हम महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर ताप्ती नदी की तीन धाराएं बनाकर राष्ट्रहित में नदी जल की बूंद-बूंद का उपयोग सुनिश्चित कर कृषि भूमि का कोना-कोना सिंचित करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज योजना को राष्ट्रीय जल परियोजना घोषित कराने के लिए केन्द्र सरकार से चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि ताप्ती बेसिन बहुउद्देशीय परियोजना में मध्यप्रदेश के जल हितों का विशेष ध्यान रखा गया है। ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज योजना में 31.13 टी.एम.सी. जल का उपयोग होगा। इसमें से 11.76 टी.एम.सी मध्यप्रदेश को और 19.36 टी.एम.सी जल महाराष्ट्र राज्य के हिस्से में आएगा। इस परियोजना में प्रस्तावित बांध एवं नहरों से मध्यप्रदेश कुल 3 हजार 362 हैक्टेयर भूमि उपयोग में लाई जाएगी। परियोजना के अंतर्गत कोई गांव प्रभावित नहीं होगा। इसमें पुनर्वास की भी आवश्यकता नहीं होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना से मध्यप्रदेश के 1 लाख 23 हजार 82 हैक्टेयर भू-क्षेत्र और महाराष्ट्र के 2 लाख 34 हजार 706 हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की स्थाई सुविधा उपलब्ध होगी। इस परियोजना से म.प्र. के बुरहानपुर एवं खण्डवा जिले की बुरहानपुर, नेपानगर, खकनार एवं खालवा की कुल 4 तहसीलें लाभान्वित होंगी।

पाकिस्तान ने आधी रात ड्रोन से किए कई हमले, भारत ने दिया मुंहतोड़ जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत पाकिस्तान के हर हमला का मुंहतोड़ जवाब दे रहा है। पाकिस्तान के हमलों को भारत ने अपने मजबूत मिसाइल डिफेंस सिस्टम S-400 से विफल कर दिया। इसकी जानकारी भारतीय सेना ने एक पोस्ट के जरिए भी दी है। सेना ने अपनी पोस्ट में किए गए ड्रोन हमले का एक वीडियो भी शेयर किया है।

भारतीय सेना ने पाकिस्तान के 50 से ज्यादा ड्रोन मार गिराए हैं। ये ड्रोन हमले पाकिस्तान की तरफ से जम्मू, अखनूर, नगरोटा, सांबा, पठानकोट समेत कई इलाकों को निशाना बनाने के प्रयास में किए गए थे। लेकिन भारत और भारतीय सेना ने पाकिस्तान के सभी हमलों को निष्क्रिय कर दिया।

भारतीय सेना ने पोस्ट में लिखा- पाकिस्तान सशस्त्र बलों ने 8 और 9 मई 2025 की मध्यरात्रि को पूरे पश्चिमी सीमा पर ड्रोन और अन्य हथियारों का इस्तेमाल करके कई हमले किए। पाक सैनिकों ने जम्मू और कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर कई बार संघर्ष विराम उल्लंघन (सीएफवी) का भी सहारा लिया। ड्रोन हमलों को प्रभावी ढंग से विफल कर दिया गया और सीएफवी को मुंहतोड़ जवाब दिया गया।

किसी भी षड्यंत्र को सफल न होने दें, भारत-पाकिस्तान तनाव पर क्या बोले RSS प्रमुख मोहन भागवत?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच हालात लगातार खराब हो रहे हैं। ऐसे में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी सभी देशवासियों से एकजुट होने की अपील की है। RSS प्रमुख मोहन भागवत का कहना है कि इस चुनौतीपूर्ण समय में प्रशासन की सभी सूचनाओं का अनुपालन करें।

RSS प्रमुख मोहन भागवत ने बयान जारी करते हुए भारत के लोगों से अपील की है कि देश की एकता एवं समरसता को भंग करने के किसी भी षड्यंत्र को सफल न होने दें।

ऑपरेशन सिंदूर का किया जिक्र- संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अपने बयान में कहा कि, पहलगाम की कायरतापूर्ण आतंकवादी घटना के पश्चात पाक प्रायोजित आतंकवादियों एवं उनके समर्थक पारितंत्र पर की जा रही निर्णायक कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारत सरकार के नेतृत्व और सैन्यबलों का हार्दिक अभिनंदन।

हिंदू यात्रियों के नृशंस हत्याकांड में आहत परिवारों को एवं समस्त देश को न्याय दिलाने हेतु हो रही इस कार्रवाई ने समूचे देश के स्वाभिमान एवं हिम्मत को बढ़ाया है।

लोगों से की एकजुट होने की अपील- मोहन भागवत ने पूरे देश से पाकिस्तान के खिलाफ एकजुट खड़े रहने की अपील की है।

दुश्मनों के हमले का मुंहतोड़ जवाब देगी भारत की वायु सुरक्षा, 10 साल में तैयार हुई रणनीति

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुधवार की मध्य रात्रि में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद गुरुवार को पाकिस्तान पर पलटवार में जो दृश्य दिखा और पाकिस्तान थर्राया है, उसने विश्व मानचित्र पर सक्षम और सशक्त भारत की नई तस्वीर प्रस्तुत की है।

अद्भुत शौर्य दिखाते हुए भारतीय सेनाओं ने अपनी धरती से ही पाक अधिकृत कश्मीर और पाकिस्तान स्थित नौ आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने के साथ ही सीमावर्ती जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और गुजरात के सैन्य प्रतिष्ठानों पर पाक सेना द्वारा दागी गई मिसाइलों को ढेर कर दिया।

दुश्मनों के हमले से बचाव करती है वायु सुरक्षा- भारत ने इस तरह प्रमाण के साथ संदेश दे दिया है कि अब भारत की वायु सुरक्षा इतनी अभेद्य और अचूक है कि न सिर्फ दुश्मनों के हमलों से पूरा बचाव कर सकती है, बल्कि जवाबी कार्रवाई में तेजी के साथ सटीक आक्रमण भी करने में सक्षम है। यह सब पिछले एक दशक की उपलब्धि है।

विशेष रूप से वायु सुरक्षा तंत्र की बात करें तो तकनीकी विश्लेषण स्पष्ट रूप से इंगित करता है कि सामरिक शक्ति के अभूतपूर्व विकास की इस यात्रा में मोदी शासनकाल के यह ग्यारह वर्ष अत्यंत महत्पूर्ण हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2014 में सत्ता संभालते ही इस दिशा में काम शुरू कर दिया था।

2017 में 2.5 बिलियन डालर का रक्षा सौदा- भारत ने मीडियम रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल बराक-8 के लिए इजराइल के साथ साल 2017 में 2.5 बिलियन डालर का रक्षा सौदा किया।

अटारी-वाघा बॉर्डर पर बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी अनिश्चितकाल के लिए बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने जन सुरक्षा के मद्देनजर पंजाब में पाकिस्तान से लगी तीनों सीमा चौकियों- अटारी-वाघा, हुसैनवाला और सादकी पर बीटिंग रिट्रीट समारोह अगले आदेश तक रोक दिया है। हालांकि, बीएसएफ ने एक बयान में कहा कि सूर्यास्त के समय राष्ट्रीय ध्वज को प्रतिदिन नीचे झुकाने की प्रक्रिया पहले की तरह जारी रहेगी। बीएसएफ का यह फैसला 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओजेके) में नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट किए जाने के बाद आया है। इस हमले में 26 पर्यटक मारे गए थे। भारतीय सशस्त्र बलों ने बुधवार तड़के ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में आतंकी ढांचे को निशाना बनाया गया। भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा किए गए इन हमलों में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम), लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े नौ प्रमुख आतंकी शिविरों को निशाना बनाया गया। इनमें से चार लक्ष्य पाकिस्तान के अंदर और शेष पांच पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में स्थित थे। गुरुवार को, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित हालिया घटनाक्रमों के मद्देनजर राष्ट्रीय तैयारियों और अंतर-मंत्रालयी समन्वय की समीक्षा के लिए भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के सचिवों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

भारत के पास जरुरी चीजों का पर्याप्त भंडार, सरकार बोली- जमाखोरी न करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध छिड़ जाने पर केंद्र सरकार ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और जरूरी वस्तुओं की जमाखोरी न करने की अपील की है। एक्स पर जारी संदेश में केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि देश के कुछ हिस्सों में अफवाहें फैलाई जा रही हैं। इसके कारण आवश्यक वस्तुओं की खरीद के लिए लोग दुकानों पर एकत्रित हो रहे हैं। जोशी ने कहा है कि सरकार ने स्थितियों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक वस्तुओं का देश में पर्याप्त भंडारण कर रखा है।

तुर्किये के 400 ड्रोन से हुआ हमला, जवाबी कार्रवाई रोकने के लिए अपने नागरिकों को ढाल बना रहा PAK: कर्नल सोफिया कुरैशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान बौखला उठा है। गुरुवार देर रात पाकिस्तान की ओर से भारत के कई शहरों पर मिसाइलें और ड्रोन दागी गईं। हालांकि, भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के हर हमले का मुंह तोड़ जवाब दिया। इसके बाद भारतीय सेना ने लाहौर, कराची, सियालकोट सहित भारत के कई शहरों पर ताबड़तोड़ हमले किए। शुक्रवार शाम विदेश मंत्रालय की ओर से प्रेस ब्रीफिंग की गई।

भारत ने पाकिस्तान के हर हमले का करारा जवाब दिया- सोफिया कुरैशी

विदेश मंत्रालय की ओर से पाकिस्तान द्वारा किए गए हमलों और भारतीय सेना द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई से जुड़े मामले पर जानकारी देते हुए कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा कि पाकिस्तान की ओर से गुरुवार रात देश के कई शहरों पर मिसाइल और ड्रेन हमले की कोशिश की गई। हालांकि, भारत ने पाकिस्तान के हर हमले का करारा जवाब दिया।

सोफिया कुरैशी ने आगे कहा कि 7 और 8 मई की रात को पाकिस्तानी सेना ने सैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने के इरादेसे पूरी पश्चिमी सीमा पर कई बार भारतीय हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया। इतना ही नहीं, पाकिस्तानी सेना ने नियंत्रण रेखा पर भारी कैलिबर के हथियारों से भी गोलीबारी की।

पाकिस्तान ने 400 ड्रोन से किए हमले- सोफिया कुरैशी - पाकिस्तान की ओर से 36 स्थानों पर घुसपैठ की कोशिश करने के लिए लगभग 300 से 400 ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। भारतीय सशस्त्र बलों ने इनमें से कई ड्रोन को मार गिराया। ड्रोन के मलबे की फोरेंसिक जांच की जा रही है। शुरुआती रिपोर्टों से पता चलता है कि वे तुर्की असिसगार्ड सोंगर ड्रोन हैं।

नागरिक विमान को ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रहा पाक

वहीं, विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने कहा, पाकिस्तान ने 7 मई को शाम 08:30 बजे एक असफल अकारण ड्रोन और मिसाइल हमला करने के बावजूद अपना नागरिक हवाई क्षेत्र बंद नहीं किया। पाकिस्तान नागरिक विमान को ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रहा है, यह अच्छी तरह से जानते हुए कि भारत पर उसके हमले से भारत को तीव्र हवाई रक्षा प्रतिक्रिया मिलेगी।

पूरा कश्मीर भारत का है, अमेरिका में भारतीय राजदूत विनय क्वात्रा ने CNN होस्ट को LIVE TV पर किया Correct

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान में इस वक्त तनाव बहुत ज्यादा बढ़ गया है। दोनों के बीच टेंशन खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। अब दोनों देशों के बीच चल रही तनातनी के दौरान अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा का बयान सामने आया है। भारत के राजदूत विनय क्वात्रा ने कश्मीर टिप्पणी पर सीएनएन होस्ट को लाइव टीवी पर सही किया है।

विनय क्वात्रा ने कहा, सबसे पहले, मैं माफी चाहता हूं, लेकिन मैं यहां आपको सही करूंगा। विनय क्वात्रा ने सीएनएन एंकर वुल्फ ब्लिट्जर से चर्चा के दौरान ये बात कही है। विनय क्वात्रा ने आगे कहा-पूरा जम्मू और कश्मीर भारत के हिस्से का अभिन्न अंग है। वहां हल किया जाने वाला एकमात्र मुद्दा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की वापसी है।

पहलगाम हमले पर भी की बात- वुल्फ ब्लिट्जर की ये टिप्पणी भारत में विस्फोटों की रिपोर्टों पर चर्चा करते समय आई है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा ने कहा कि भारत को कुछ गतिविधियों की रिपोर्ट मिली है, हमारे पास उससे संबंधित ज्यादा डिटेल नहीं हैं।

उसी बातचीत के दौरान, क्वात्रा ने पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के खिलाफ भी जोरदार तरीके से बात की, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। इसे सबसे जघन्य आतंकवादी कृत्य कहते हुए, उन्होंने इसकी निंदा की । विनय क्वात्रा ने ने आगे कहा, इसमें हमारा सबसे बड़ा उद्देश्य इन नीच, अमानवीय राक्षसों को जवाबदेह ठहराना और पीड़ितों को न्याय दिलाना था।

पाकिस्तान पर आतंकवादियों का साथ देना का आरोप- पाकिस्तान पर तीखा हमला करते हुए उन्होंने देश पर आतंकवादियों का साथ देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, इससे दुनिया को पता चलता है कि पाकिस्तान ने फिर से आतंकवादियों के साथ खड़े होने का फैसला किया है। उनके खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय, वे अनिवार्य रूप से उन्हें समर्थन दे रहे हैं। हमें आश्चर्य नहीं होगा अगर वे खुद इसमें शामिल हों।

उन्होंने कहा, यही वह संदेश है जो वे दुनिया को भेज रहे हैं, कि वे निर्दोष नागरिकों की इन क्रूर हत्याओं में आतंकवादियों के साथ हैं, न कि बाकी सभ्य दुनिया के साथ।

यह सब बकवास है, अब वर्ल्ड बैंक ने पाकिस्तान को दिखाया आईना; सिंधु जल संधि मामले में अपना रुख किया स्पष्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ एक्शन लेते हुए सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया। इस मामले को लेकर पाकिस्तान काफी ज्यादा छटपटा रहा था और पाकिस्तान के कई बड़े नेताओं ने जल संधि को लेकर गीदड़भभकी भी दी थी।

इस बीच वर्ल्ड बैंक के अध्यक्ष ने भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल संधि को लेकर बयान दिया है और यह साफ कर दिया है कि विश्व बैंक का इसमें क्या रोल रह सकता है। पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र से लेकर विश्व बैंक तक इसकी गुहार लगाई थी।

विश्व बैंक का बयान - सिंधु जल संधि के निलंबन पर वर्ल्ड बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने कहा, हमारे पास मध्यस्थ के अलावा कोई भूमिका नहीं है। मीडिया में इस बारे में बहुत अटकलें लगाई जा रही हैं कि विश्व बैंक कैसे हस्तक्षेप करेगा और समस्या का समाधान करेगा, लेकिन यह सब बकवास है। विश्व बैंक की भूमिका केवल मध्यस्थ की है।

हर तरफ से झटका खा रहे पाकिस्तान को अब वर्ल्ड बैंक ने भी बड़ा झटका दे दिया है। इधर भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर किए जाने के बाद से पाकिस्तान अलग ही बौखलाहट में है और लगातार कोशिश में है कि वो भारत में हमला कर सके, लेकिन उसकी कोशिश बार-बार नाकाम साबित हो रही है।गुरुवार की रात पाकिस्तान ने भारतीय शहरों को निशाना बनाने की कोशिश की थी और अपने ड्रोन और मिसाइल दागे थे, लेकिन भारत के पास मौजूद आकाश मिसाइल और S-400 ने पाकिस्तान के सभी मंसूबों पर पानी फेर दिया और सारे ड्रोन और मिसाइल को नष्ट कर दिया।

थैंक्यू इंडिया, भारत ने अब्दुल रऊफ अजहर का किया सफाया; अमेरिका ने कहा- हो गया न्याय

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने आतंकवाद के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई कर जैश-ए-मोहम्मद के कुख्यात आतंकी और टॉप कमांडर अब्दुल रऊफ अजहर का सफाया कर दिया है।

भारत की इस कार्रवाई का अब वैश्विक असर भी दिखने लगा है और अब्दुल अजहर की मौत पर अमेरिका ने भारत को सार्वजनिक रूप से धन्यवाद भी कहा है। मसूद अजहर का भाई और अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठन जैश का प्रमुख ऑपरेशनल मास्टरमाइंड अब्दुल अजहर की मौत से अमेरिका गदगद नजर आ रहा है।

अमेरिका ने किया भारत का समर्थन- अमेरिका के पूर्व राजदूत और संयुक्त राष्ट्र में स्थायी प्रतिनिधि रहे जालमे खलीलजाद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के दौरान क्रूर आतंकवादी अब्दुल रऊफ अजहर को मार गिराया है। यह वही शख्स है जिसने 2002 में यहूदी पत्रकार डेनियल पर्ल का सिर कलम कर हत्या कर दी थी। आज इंसाफ हुआ है। थैंक्यू इंडिया।

भारत द्वारा सैन्य कार्रवाई कर मारे गए अब्दुल रऊफ की मौत पर अमेरिका ने इसे जस्टिस डिलीवर्ड बताया है।

हम आतंकवाद के खिलाफ हैं, भारत की ताबड़तोड़ कार्रवाई के बाद पाक के दोस्त चीन ने भी मोड़ा मुंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे घटनाक्रम पर चिंता व्यक्त की। चीन ने दोनों देशों से शांति एवं स्थिरता के व्यापक हित में कार्य करने, संयुक्त राष्ट्र चार्टर सहित अंतर्राष्ट्रीय कानून का पालन करने, शांत रहने, संयम बरतने तथा ऐसी कार्रवाई करने से बचने का आह्वान किया है, जिससे स्थिति और खराब हो सकती है।

गुरुवार को एक प्रेस ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए लिन जियान ने दोनों देशों के बीच तनाव कम करने में रचनात्मक भूमिका निभाने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ काम करने की चीन की तत्परता व्यक्त की। उन्होंने आतंकवाद के सभी रूपों की चीन की निंदा को दोहराया।

भारत और पाक हमेशा रहेंगे पड़ोसी- पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के इस बयान के बारे में पूछे जाने पर कि पाकिस्तान भारत के हमलों का जवाब देगा, उन्होंने कहा, हमने भारत और पाकिस्तान के बीच चल रही स्थिति पर कल चीन की स्थिति साझा की है। चीन मौजूदा घटनाक्रम से चिंतित है।

आतंकियों का गढ़ है पाकिस्तान, ब्रिटेन में भारत के राजदूत ने खोली पोल; अब्दुल रऊफ अजहर की फोटो दिखाकर दिए सबूत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। इस बीच ब्रिटेन में भारत के राजदूत विक्रम दोराईस्वामी स्काई न्यूज से बात करते हुए एक प्रतिबंधित आतंकवादी हाफिज अब्दुल रऊफ की फोटो दिखाई है। ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी ने स्काई न्यूज के साथ इंटरव्यू में पाकिस्तान सेना पर आतंकवादियों को राजकीय अंतिम संस्कार देने का गंभीर आरोप लगाया।

यल्दा हकीम से बात करते हुए दोराईस्वामी ने अमेरिका द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादी हाफिज अब्दुल रऊफ की एक फोटो निकाली, जिसमें पाकिस्तानी सैन्य अधिकारी अमेरिका द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादी और जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर के भाई हाफिज अब्दुर रऊफ के साथ, ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत द्वारा मारे गए आतंकवादियों को अंतिम संस्कार में शामिल होते हुए दिखाई दे रहे हैं।

दोराइस्वामी ने कहा, पिछले 30 वर्षों में, दुनिया को पाकिस्तान को अपनी धरती पर आतंकवादी ढांचे को खत्म करने के लिए मजबूर करना चाहिए था, जिसका उसने वादा किया था, लेकिन कभी नहीं किया। भारतीय दूत ने साफ लहजे में कहा कि अगर पाकिस्तान भारत के सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करना बंद कर दे तो यह मामला खत्म हो जाएगा।

विक्रम दोराइस्वामी ने कहा, मैं आपको कल की यह तस्वीर दिखाता हूं मुझे लगता है कि यह आपके दर्शकों के लिए है। यहां मौजूद यह व्यक्ति अमेरिकी प्रतिबंध व्यवस्था के तहत एक प्रतिबंधित आतंकवादी है। उसका नाम हाफिज अब्दुर रऊफ है। वह उस आतंकवादी समूह के संस्थापक का भाई है जिसका आप जिक्र कर रहे हैं। देखिए उसके पीछे कौन है। पाकिस्तानी सेना, वहां ताबूतों को देखिए। उन पर पाकिस्तानी राष्ट्रीय ध्वज है।

Fact छिपाना-Fake फैलाना... मौकापरस्त पाकिस्तान के झूठे मीडिया का बस यही एक सच

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की ओर से सीमा पर पाकिस्तान के हमलों के खिलाफ माकूल जवाबी कार्रवाई की गई है। ऐसे में यह जानना बेहद जरूरी है कि पड़ोसी मुल्क के मीडिया और सोशल मीडिया में किस तरह के झूठे दावे किए जा रहे हैं।

सबसे पहले बात पाकिस्तान के मशहूर अखबार डॉन की- आइए इन फर्जी दावों को जानने के क्रम में सबसे पहले बात पाकिस्तान के मशहूर समाचार पत्र डॉन की करते हैं। डॉन ने अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित संपादकीय में लिखा है कि भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के जो आरोप लगाए हैं, उनमें कोई सच्चाई नहीं है।

सात मई को ड्रोन हमलों के बाद से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा है। यह भी लिखा गया है कि पाकिस्तान के अलग-अलग हिस्सों में भारत के करीब 25 ड्रोन को मार गिराया है।

दावा यह भी किया गया है कि बीते गुरुवार से ही पाकिस्तान में एयरपोर्ट, बाजार और स्कूल बंद करा दिए गए हैं। हालांकि, पाकिस्तानी मीडिया के ये सभी दावे फर्जी हैं।

इसके अलावा डॉन ने अपनी एक खबर में पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के हवाले से फर्जी दावा किया है। इसमें कहा गया है कि पाकिस्तान ने भारत के पठानकोट, जैसलमेर और श्रीनगर में कोई हमला नहीं किया है।

बता दें कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से ही भारत की ओर से पाकिस्तान को आतंकवादियों के खिलाफ कड़ा एक्शन लेने के लिए कहा गया था।

मोदी का नाम लेते हुए डर लगता है, पाक नेता ने पीएम शहबाज को बताया बुजदिल; भरी संसद में सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। 7 मई को भारत द्वारा सफलतापूर्वक किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान द्वारा हमले की नाकाम कोशिश के बाद से पूरी दुनिया में पड़ोसी मुल्क का मजाक बन रहा है।

इस बीच पाकिस्तानी संसद के अंदर का एक वीडिया सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें एक सांसद अपने ही प्रधानमंत्री को डरपोक बता रहा है।

भारत की जवाबी कार्रवाई के बाद से पाकिस्तान में अपनी ही सरकार के लिए वहां के सांसद खरी-खरी सुनाना शुरू कर चुके हैं। शुक्रवार को एक वीडियो सामने आया है, जिसमें सांसद शाहिद खट्टर ने अपनी ही सरकार को जमकर घेरा है। इस वीडियो में सुना जा सकता है कि किस तरह से वहां के सांसद पाक पीएम शहबाज शरीफ को बुजदिल बता रहे हैं। पाकिस्तान के इस सांसद ने कहा कि हमारे पीएम तो भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम भी नहीं ले सकते हैं, उन्हें डर लगता है। ऐसा पीएम या लीडर अपनी सेना को क्या पैगाम दे सकता है।

पाकिस्तान के सारे हमले हुए नाकाम- बता दें, बीते गुरुवार की रात पाकिस्तान ने भारत पर हमला करने की कोशिश की थी, लेकिन भारतीय सेना ने उसके सभी मंसूबों पर पानी फेर दिया।

भारतीय सेना ने जवाबी कार्रवाई में न केवल दो सु-16 फाइटर जेट समेत पाकिस्तान के 4 फाइटर जेट को मार गिराया, बल्कि पाकिस्तान के पंजाब में एयरबर्न वॉर्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम विमान को भी नष्ट कर दिया।

केंद्र से सेना प्रमुख को मिली खास पावर, टेरिटोरियल आर्मी को आ सकता है बुलावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव अब काफी ज्यादा भयंकर स्तर पर पहुंच चुका है। इस बीच केंद्र सरकार ने सेना प्रमुख को एक बड़ा अधिकार दिया है। इस अधिकार के तहत सेना प्रमुख टेरिटोरियल आर्मी के हर अफसर और जवान को अपनी जरूरत के मुताबिक किसी मिशन में लगा सकते हैं।

सेना प्रमुख इनसे किसी भी तरह का काम करा सकता हैं, जो आर्मी चाहती हो, चाहे तो रेगुलर आर्मी की मदद के लिए भी इनकों तैनात किया जा सकता है। टेरिटोरियल रूल्स 1948 के नियम 33 के तहत रक्षा मंत्रालय ने यह फैसला लिया है। इसके लिए एक ऑफिशियल नोटिफिकेशन भी जारी किया गया है।

क्या है टेरिटोरियल आर्मी- टेरिटोरियल आर्मी वे लोग होते हैं, जो अपनी आम नौकरी के साथ-साथ सेना की ट्रेनिंग लेते हैं।

ये लोग जरूरत पड़ने पर देश की सुरक्षा के लिए तैयार रहते हैं।

टीए में अभी 32 इन्फैंट्री बटालियन हैं, जिनमें से 14 को अब अलग-अलग कमांड्स में तैनात किया जा सकता है।

इनमें साउथर्न, ईस्टर्न, वेस्टर्न, सेंट्रल, नॉर्दर्न, साउथ वेस्टर्न कमांड के अलावा अंडमान-निकोबार और आर्मी ट्रेनिंग कमांड शामिल हैं।

इनकी तैनाती तभी होगी, जब इनके लिए कोई बजट सरकार देगी। रक्षा मंत्रालय और इसके साथ कोई भी मंत्रालय अपने जरूरत के लिए टेरिटोरियल आर्मी को अगर बुलाए तो उसका पैसा वही मंत्रालय को देना होगा.

भारत सरकार ने क्यों लिया यह फैसला- भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव इस वक्त अपने चरम पर है और ऐसे समय में भारत सरकार द्वारा टेरिटोरियल आर्मी का फैसला लेना एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। भारत ने आतंकियों का सफाया करने का प्रण लिया है और इसी दिशा में भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया था।

भारत बनाम पाकिस्तान तनाव के बीच गौतम अडानी का बड़ा बयान, बोले- असली ताकत दिखाने का समय

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के सीमावर्ती इलाके में पाकिस्तान की तरफ से ड्रोन से हमला किया गया, जिसके खिलाफ काउंटर अटैक कर भारतीय सेना ने पाक के कई फाइटर जेट और ड्रोन को ध्वस्त कर दिया है। दोनों देशों के बढ़ते तनाव को मद्देनजर रखते हुए भारतीय बिजेनसमैन गौतम अडानी ने बड़ा बयान देते हुए भारतीय सेना के समर्थन की बात कही है। आइए जानते हैं कि उन्होंने क्या है।

इस वक्त दुनिया भारत की असली ताकत और एकता को दिखाने का है। जो उसकी समानता के संग उसकी विविधता में भी निहित है। हम अटूट एकजुटता के साथ खड़े हैं और अपने सशस्त्र बलों को समर्थन देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं, क्योंकि वे हमारी मातृभूमि की आत्मा और हमारे आदर्शों की भावना की रक्षा करते हैं।

पाकिस्तान में मचा हडकंप- 8 मई देर शाम को भारत के सीमावर्ती इलाको में पाकिस्तानी सेना ने हवाई हमले के जरिए घुसपैठ करने की कोशिश की। जिसके खिलाफ इंडियन आर्मी ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान में अंदर घुसकर हमला कर दिया है। जिसके चलते पड़ोसी मुल्क में हडकंप मच गया है।

तनाव के बीच 27 एयरपोर्ट बंद, 430 उड़ानें रद, विदेशी एयरलाइंस ने बदले मार्ग

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद बदलते हालात को देखते हुए गुरुवार को घरेलू एयरलाइंस ने 430 उड़ानें रद कर दी हैं। जबकि शनिवार 10 मई तक के लिए 27 एयरपोर्ट बंद कर दिए गए हैं। आंकड़ों के हिसाब से रद की गई उड़ाने देश में कुल उड़ानों का तीन प्रतिशत हैं। उड़ानों पर नजर रखने वाले प्लेटफार्म फ्लाइटराडार24 के अनुसार, पाकिस्तान और भारत के पश्चिमी गलियारे के ऊपर का एयरस्पेस नागरिक उड़ानों के लिए तकरीबन खाली है।

विदेश मंत्रालय की तरफ से बड़ा एलान- उड़ानों के लाइव पाथ और कैंसल के आंकड़ों को जारी करने वाले फ्लाइटराडार 24 के अनुसार, पाकिस्तान और भारत के पश्चिमी गलियारे का जम्मू-कश्मीर और गुजरात के ऊपर का एयरस्पेस नागरिक उड़ानों के लिए खाली है क्योंकि विमानन कंपनियों ने इसे संवेदनशील क्षेत्र घोषित कर दिया है।

वहीं, विमानन कंपनियों ने बुधवार को भी 300 से ज्यादा उड़ानें रद कर दी थीं और उत्तरी एवं पश्चिमी भारत में 21 एयरपोर्ट बंद कर दिए गए थे। प्रेट्र के अनुसार, अधिकांश विदेशी एयरलाइंस ने भी एयरस्पेस में प्रतिबंध के कारण पाकिस्तान के ऊपर उड़ानें बंद कर दी हैं।

लाइव कवरेज देने में सावधानी बरतें..., मीडिया चैनल और सोशल मीडिया के लिए रक्षा मंत्रालय ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान की सीमा पर खराब हालात के चलते रक्षा मंत्रालय ने एडवाइजरी जारी की है। सभी मीडिया चैनलों और डिजिटल प्लेटफॉर्म को लाइव कवरेज के लिए सावधानी बरतने के आदेश दिए गए हैं। रक्षा मंत्रालय ने राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर यह सलाह दी है।

रक्षा मंत्रालय ने केबल टेलीविजन नेटवर्क्स (संशोधन) नियम 2021 के तहत यह आदेश जारी किया है। इसकी जानकारी एक्स प्लेटफॉर्म पर भी दी गई है।

रक्षा मंत्रालय ने किया पोस्ट- रक्षा मंत्रालय ने एक्स पर लिखा कि, सभी मीडिया चैनलों, डिजिटल प्लेटफॉर्म और यूजर्स को सलाह दी जाकी है कि लाइव कवरेज या रियल टाइम रिपोर्टिंग के दौरान रक्षा ऑपरेशन और सेना के काफिले की मूवमेंट साझा न करें।

सभी मीडिया चैनलों, डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म और व्यक्तियों को रक्षा अभियानों और सुरक्षा बलों की आवाजाही का लाइव कवरेज या वास्तविक समय की रिपोर्टिंग से परहेज करें। यह सलाह राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में दी गई है।

पहले भी हुई थी गलती- रक्षा मंत्रालय ने इसके पीछे की वजह बताते हुए कहा कि, ÷इस तरह की संवेदनशील और ऑपरेशनल जानकारी साझा करने से खतरा उत्पन्न हो सकता है। इससे ऑपरेशन पर बुरा असर पड़ेगा। पहले भी कारगिल युद्ध, 26/11 आतंकी हमले और कांधार हाईजैकके दौरान ऐसी रिपोर्टिंग से देश को नुकसान हुआ है।

प्रेस ब्रीफिंग में दी गई जानकारी ही दिखाएं- गृह मंत्रालय ने आगे कहा कि, केबल टेलीविजन नेटवर्क्स (संशोधन) नियम 2021 के तहत अधिकारी प्रेस ब्रीफिंग के दौरान जो भी जानकारी साझा करेंगे, सिर्फ उन्हीं को दिखाने की इजाजत होगी। सभी से अपील है कि लाइव कवरेज के दौरान संवेदनशील जानकारी बिल्कुल न शेयर करें।

सेना का देसी सुपरहीरो, जिसने रात के अंधेरे में पाक को दिखाई उसकी औकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। 8 और 9 मई की रात पाकिस्तान ने पश्चिमी सीमा और जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर ड्रोन हमला किया था, जिसे भारतीय सेना ने सफलतापूर्वक विफल कर दिया।

पाकिस्तानी ड्रोन हमारे स्वदेशी रूप से विकसित सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल रक्षा प्रणाली आकाश के सामने ढेर हो गए। भारत के पास दो धांसू हवाई रक्षा सिस्टम हैं। एक है आकाश मिसाइल सिस्टम और दूसरा है स्-400। इन्हीं दो उपकरणों ने पाकिस्तान के ड्रोन और मिसाइल को बेदम कर दिया और नाकाम कर जमीन में गिरा दिया।

भारत में निर्मित सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल रक्षा प्रणाली आकाश का भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा भारतीय लक्ष्यों पर पाकिस्तानी हमलों को विफल करने में प्रभावी ढंग से उपयोग किया गया। भारतीय सेना और वायु सेना दोनों के पास पाकिस्तान सीमा पर मिसाइल प्रणाली है।

आकाश वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली एक मध्यम दूरी की, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है।

भारत का आकाश-1, 25 से 45 किमी दूरी और 18 किमी ऊंचाई तक निशाना लगा सकता है।

इसी तरह इसका अपग्रेडेड वर्जन आकाश-NG, 70-80 किमी तक मार करता है।

इसका सुपरसोनिक स्पीड लगभग 3,500 किमी/घंटा से दुश्मन को भेद देता है।

मेघालय में 2 महीने का नाइट कर्फ्यू लागू, भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच बांग्लादेश बॉर्डर पर सुरक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान सीमा पर बिगड़ते हालातों के बीच उत्तर पूर्वी राज्य मेघालय में 2 महीने के लिए नाइट कर्फ्यू लगाया गया है। मेघालय की सरकार ने यह फैसला बांग्लादेश बॉर्डर पर तनाव बढ़ने के कारण लागू किया है।

मेघालय ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत पूर्वी खासी घाटी के जिलों में रात को कर्फ्यू लगाया जाएगा। बांग्लादेश सीमा से 1 किलोमीटर की दूरी तक यह कर्फ्यू लागू रहेगा।

कब से कब तक लागू होगा कर्फ्यू- ईस्ट खासी हिल्स के जिला मजिस्ट्रेट ढ्ढस् आर.एम.कुर्भ ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि 8 मई 2025 से अगले 2 महीने तक बांग्लादेश सीमा से 1 किलोमीटर के क्षेत्रफल में नाइट कर्फ्यू लगाया जाएगा। यह कर्फ्यू रात 8 बजे से सुबह 6 बजे तक लागू रहेगा।

क्या होंगे नियम- मेघालय में लगने वाले इस नाइट कर्फ्यू के दौरान सीमा के आसपास लोगों की आवाजाही बैन रहेगी। इससे रात के अंधेरे में लोगों को बांग्लादेश बॉर्डर पार करने और अवैध शर्णार्थियों को मेघालय में आने से रोका जा सकेगा। कर्फ्यू के इलाके में 5 या 5 से ज्यादा लोगों का एकसाथ खड़ा होना भी कानूनी रूप से अपराध माना जाएगा।

क्यों लगाया गया कर्फ्यू- मेघालय प्रशासन ने कर्फ्यू के पीछे की वजह भी साफ की है। प्रशासन का मानना है कि इस फैसले की मदद से अवैध शर्णार्थियों को भारत में घुसने के अलावा पशुओं, पान के पत्तों, मछलियों, सिगरेट और चाय पत्ती की अवैध तस्करी पर लगाम लगाई जा सकेगी।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद लिया फैसला- मेघालय प्रशासन ने यह फैसला भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ती टेंशन के बाद लिया है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

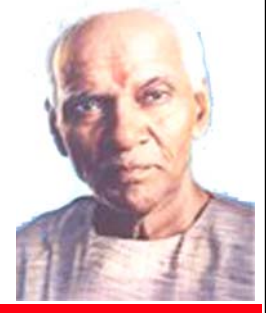

विक्रम संवत 2079 कृष्ण तृयोदशी

संपादकीय

युद्ध का समय हमेशा से मानव इतिहास का सबसे तनावपूर्ण और संवेदनशील दौर रहा है....

युद्ध का समय हमेशा से मानव इतिहास का सबसे तनावपूर्ण और संवेदनशील दौर रहा है। जब दो देशों के बीच टकराव चरम पर होता है, तब सिर्फ हथियारों की ही नहीं, बल्कि सूचनाओं की भी लड़ाई लड़ी जाती है। प्रोपेगेंडा और झूठी ख़बरें इस संघर्ष का एक अनिवार्य हिस्सा बन जाती हैं। यह स्थिति विशेष रूप से भारत और पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देशों के बीच युद्ध के समय अत्यंत जटिल हो जाती है।

युद्ध के दौरान फैलाई गई झूठी खबरें न केवल सैनिकों और आम नागरिकों की सुरक्षा को खतरे में डालती हैं, बल्कि समाज में भय और नफरत का भी प्रसार करती हैं। यह न केवल जनता की भावनाओं को भड़काती है, बल्कि सच्चाई की नींव को भी कमजोर करती है। कई बार युद्ध के मैदान से बहुत दूर बैठे लोग भी इन झूठी खबरों के शिकार बन जाते हैं और इससे राष्ट्र की एकता और संप्रभुता को भारी क्षति पहुँचती है।

1965, 1971 और कारगिल युद्ध के दौरान भी दोनों देशों ने प्रोपेगेंडा का भरपूर उपयोग किया था। पाकिस्तान ने 1965 में अपने %ऑपरेशन जिब्राल्टर% को लेकर भारतीय क्षेत्र में असंतोष फैलाने की कोशिश की थी, जबकि 1971 के युद्ध में भारत ने रेडियो और प्रिंट मीडिया के जरिए अपने सैनिकों और जनता में आत्मविश्वास बनाए रखा। कारगिल युद्ध में भी फर्जी तस्वीरें और विकृत आंकड़े दोनों ओर से साझा किए गए थे।

आज की डिजिटल दुनिया में सोशल मीडिया, वॉट्सएप, यूट्यूब और फेक न्यूज वेबसाइट्स के जरिए अफवाहें तेजी से फैलती हैं। फर्जी वीडियो, फोटोशॉप की गई तस्वीरें और झूठे दावे किसी भी घटना को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत कर सकते हैं। ऐसे में एक साधारण व्यक्ति के लिए यह पहचानना मुश्किल हो जाता है कि क्या सच है और क्या झूठ।

युद्ध के समय एक जागरूक और जिम्मेदार नागरिक होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। हमें हर सूचना को बिना जांचे-परखे साझा करने से बचना चाहिए। विश्वसनीय समाचार स्रोतों पर ही भरोसा करें और हर खबर की पुष्टि करें। अगर कोई संदेश या वीडियो संदिग्ध लगे, तो उसे आगे न बढ़ाएं।

प्रोपेगेंडा का असर केवल सूचना पर ही नहीं, बल्कि लोगों के मानसिक ढांचे पर भी पड़ता है। युद्ध के दौरान डर, असुरक्षा और घृणा जैसी भावनाओं का अधिकतम लाभ उठाया जाता है। यह न केवल समाज को विभाजित करता है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी गंभीर असर डालता है।

सरकार और मीडिया की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे जनता को सटीक और प्रमाणिक जानकारी तक पहुंचाएं। प्रेस की स्वतंत्रता का सम्मान करते हुए, झूठी खबरों और प्रोपेगेंडा के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। मीडिया को भी यह समझना चाहिए कि उनकी जिम्मेदारी केवल खबर देना ही नहीं, बल्कि खबर की सच्चाई को बनाए रखना भी है।

आज जब सूचनाएं मिनटों में दुनिया भर में फैलती हैं, तब डिजिटल साक्षरता की महत्ता और बढ़ जाती है। आम नागरिकों को यह सिखाना जरूरी है कि वे किस तरह से फर्जी खबरों की पहचान कर सकते हैं और उन्हें कैसे रोका जा सकता है। इसके लिए स्कूलों, कॉलेजों और सामुदायिक केंद्रों में नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए। सच्चाई की शक्ति कभी क्षीण नहीं होती, चाहे युद्ध का कितना भी कठिन समय क्यों न हो। यह केवल उन लोगों पर निर्भर करता है जो सत्य की रक्षा के लिए खड़े होते हैं। इतिहास गवाह है कि झूठ के महल लंबे समय तक टिक नहीं पाते। यही कारण है कि एक जागरूक और सतर्क समाज ही असली विजय प्राप्त कर सकता है।

योगेन्द्र सिंह यादव

ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव परमवीर चक्र से सम्मानित भारतीय व्यक्ति है। इन्हें यह सम्मान सन 1999 में मिला। युद्ध के मोर्चे पर दुश्मन के छक्के छुड़ाते हुए अपने प्राणों की बलि देने वाले जवानों की सूची बड़ी लम्बी है, जिन्होंने राष्ट्र की उत्कृष्ट शौर्य परम्परा को जीवन्त किया। कारगिल युद्ध के बाद भारतीय सेना के चार शूरवीरों को परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया। उन्हीं में एक ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव भी हैं।

जीवन परिचय

सबसे कम मात्र 19 वर्ष कि आयु में 'परमवीर चक्र' प्राप्त करने वाले इस वीर योद्धा योगेन्द्र सिंह यादव का जन्म उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जनपद के औरंगाबाद अहीर गांव में 10 मई, 1980 को हुआ था। 27 दिसंबर, 1996 को सेना की 18 ग्रेनेडियर बटालियन में भर्ती हुए योगेन्द्र सिंह यादव की पारिवारिक पृष्ठभूमि भी सेना की ही रही है, जिसके चलते वो इस ओर तत्पर हुए।

भारत-पाकिस्तान युद्ध

मई-जुलाई 1999 में हुई भारत और पाकिस्तान की कारगिल की लड़ाई वैसे तो हमेशा की तरह, भारत की विजय के साथ खत्म हुई, लेकिन उसे बहुत अर्थों में एक विशिष्ट युद्ध कहा जा सकता है। एक तो यह कि, यह लड़ाई पाकिस्तान की कुटिल छवि को एक बार फिर सामने लाने वाली कही जा सकती है। पाकिस्तान इस लड़ाई की योजना के साथ कई वर्षों से जाँच परख भरी तैयारी कर रहा था, भले ही ऊपरी तौर पर वह खुद को शांति वाहक बताने से भी चूक नहीं रहा था। दूसरी ओर, यह लड़ाई बेहद कठिन मोर्चे पर लड़ी गई थी। तंग संकरी पगडंडी जैसे पथरीले रास्ते, और बर्फ से ढकी पहाड़ की चोटियाँ। यह ऐसे माहौल की लड़ाई थी, जिसकी हमारे सैनिक सामान्यतः उम्मीद नहीं कर सकते थे, दूसरी तरफ, पाकिस्तान के सैनिकों को इस दुश्वार जगह युद्ध का अध्यान न जाने कब से दिलाया जा रहा था। इस युद्ध में भारत के चार योद्धाओं को परमवीर चक्र दिए गए, जिनमें से दो योद्धा इसे पाने से पहले ही वीरगति को प्राप्त हो गए। सम्मान सहित स्वयं उपस्थित होकर जिन दो बहादुरों नें यह परमवीर चक्र पाया, उनमें से एक थे ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव, जो 18 ग्रेनेडियर्स में नियुक्त थे। इनके पिता करन सिंह यादव भी भूतपूर्व सैनिक थे वह कुमायूँ रेजिमेंट से जुड़े हुए थे और 1965 तथा 1971 की लड़ाइयों में हिस्सा लिया था। पिता के इस पराक्रम के कारण योगेन्द्र सिंह यादव तथा उनके बड़े भाई जितेन्द्र दोनों फौज में जाने को लालायित थे। दोनों के अरमान पूरे हुए। बड़े भाई जितेन्द्र सिंह यादव आर्टिलरी कमान में गए और योगेन्द्र सिंह यादव ग्रेनेडियर बन गए। योगेन्द्र सिंह यादव जब सेना में नियुक्त हुए तब उनकी उम्र केवल 16 वर्ष पाँच महीने की थी। 19 वर्ष की आयु में वह परमवीर चक्र विजेता बन गए। उन्होंने यह पराक्रम कारगिल की लड़ाई में टाइगर हिल के मोर्चे पर दिखाया।

कारगिल की लड़ाई में पाकिस्तान का मंसूबा कश्मीर को लद्दाख से काट देने का था, जिसमें वह श्रीनगर-लेह मार्ग को बाधित करके कारगिल को एकदम अलग-थलग कर देना चाहते थे, ताकि भारत का सियाचिन से सम्पर्क मार्ग टूट जाए इस तरह पाकिस्तान का यह मंसूबा भी कश्मीर पर ही दांव लगाने के लिए था। टाइगर हिल इसी पर्वत श्रेणी का एक हिस्सा था। द्रास क्षेत्र में स्थित टाइगर हिल का महत्व इस दृष्टि से था कि यहाँ से राष्ट्रीय राजमार्ग 1A पर नियंत्रण रखा जा सकता था। इस राज मार्ग पर अपना प्रभाव बनाए रखने के लिए पाकिस्तानी फौजी ने अपनी जड़ें मजबूती से जमा रखी थीं और उनका वहाँ हथियारों और गोलाबारूद का काफ़ी जखीरा पहुँचा हुआ था। भारत के लिए इस ठिकाने से दुश्मन को हटाना बहुत ज़रूरी था। टाइगर हिल को उत्तरी, दक्षिणी तथा पूर्वी दिशाओं से भारत की 8 सिख रेजिमेंट ने पहले ही अलग कर लिया था और उसका यह काम 21 मई को ही पूरा हो चुका था। पश्चिम दिशा से ऐसा करना दो कारणों से नहीं हुआ था। पहला तो यह, कि वह हिस्सा नियंत्रण रेखा के उस पार पड़ता था, जिसे पार करना भारतीय सेना के लिए शिमला समझौते के अनुसार प्रतिबन्धित था, लेकिन पाकिस्तान ने उस समझौते का उलंघन कर लिया था दूसरा कारण यह था कि अब पूरी रिज पर दुश्मन घात लगा कर बैठ चुका था। ऐसी हालत में भारत के पास आक्रमण ही सिर्फ एक रास्ता बचा था।

टाइगर हिल पर तिरंगा

3-4 जुलाई 1999 की रात को 18 ग्रेनेडियर्स को यह जिम्मा सौंपा गया कि वह पूरब की तरफ से टाइगर हिल को कब्जे में करें। उसके लिए वह 8 सिख बटालियन को साथ ले लें। इसी तरह 8 सिह बटालियन को भी यय जिम्मा सौंपा गया कि वह हमले का दवाब दक्षिण तथा उत्तर से बनाए रखें और इस तरह टाइगर हिल को पश्चिम की तरफ से अलग-थलग कर दें। रात साढ़े 8 बजे टाइगर हिल पर आक्रमण का सिलसिला शुरू किया गया। 4 जुलाई 1999 को आधी रात के बाद डेढ़ बजे 18 ग्रेनेडियर्स ने टाइगर हिल के एक हिस्से पर अपना क़ब्ज़ा जमा लिया। इसी तरह सुबह 4.00 बजे तक 8 सिख बटालियन ने भी अपने हमलों का दबाव बनाते हुए पश्चिमी छोर से टाइगर हिल के महत्त्वपूर्ण ठिकाने अपने काबू में कर लिए और 5 जुलाई को यह मोर्चा काफ़ी हद तक फ़तह हो गया। इस बीच 18 ग्रेनेडियर्स ने अपने हमले जारी रखे और भारी प्रतिरोध के बावजूद टाइगर हिल को पूरी तरह हथियाने का काम चलता रहा। 8 सिख बटालियन पाकिस्तानी फौजों के जवाबी हमले नाकामयाब करती रहीं और इस तरह 11 जुलाई को टाइगर हिल पूरी तरह भारत के कब्जे में आ गया।

अदम्य साहस का परिचय

3-4 जुलाई, 1999 से शुरू होकर 11 जुलाई, 1999 तक चलने वाला विजय अभियान इतना सरल नहीं था और उसकी सफलता में ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव का बड़ा योगदान है। ग्रेनेडियर यादव की कमांडो प्लाटून %घटक% कहलाती थी। उसके पास टाइगर हिल पर क़ब्ज़ा करने के क्रम में लक्ष्य यह था कि वह ऊपरी चोटी पर बने दुश्मन के तीन बंकर काबू करके अपने कब्जे में ले। इस काम को अंजाम देने के लिए 16,500 फीट ऊँची बर्फ से ढकी, सीधी चढ़ाई वाली चोटी पार करना ज़रूरी था। इस बहादुरी और जोखिम भरे काम को करने का जिम्मा स्वेच्छापूर्णक योगेन्द्र ने लिया और अपना रस्सा उठाकर अभियान पर चल पड़े। वह आधी ऊँचाई पर ही पहुँचे थे कि दुश्मन के बंकर से मशीनगन गोलियाँ उगलने लगीं और उनके दागे गए राकेट से भारत की इस टुकड़ी का प्लाटून कमांडर तथा उनके दो साथी मारे गए। स्थिति की गम्भीरता को समझकर योगेन्द्र सिंह ने जिम्मा संभाला और आगे बढ़ते बढ़ते चले गए। दुश्मन की गोलाबारी जारी थी। योगेन्द्र सिंह लगातार ऊपर की ओर बढ़ रहे थे कि तभी एक गोली उनके कँधे पर और रो गोलियाँ उनकी जाँघ पेट के पास लगीं लेकिन वह रुके नहीं और बढ़ते ही रहे। उनके सामने अभी खड़ी ऊँचाई के साठ फीट और बचे थे। उन्होंने हिम्मत करके वह चढ़ाई पूरी कीऔर दुश्मन के बंकर की ओर रेंगकर गए और एक ग्रेनेड फेंक कर उनके चार सैनिकों को वहीं ढेर कर दिया। अपने घावों की परवाह किए बिना यादव ने दूसरे बंकर की ओर रुख किया और उधर भी ग्रेनेड फेंक दिया। उस निशाने पर भी पाकिस्तान के तीन जवान आए और उनका काम तमाम हो गया। तभी उनके पीछे आ रही टुकड़ी उनसे आ कर मिल गई। आमने-सामने की मुठभेड़ शुरू हो चुकी थी और उस मुठभेड़ में बचे-खुचे जवान भी टाइगर हिल की भेंट चढ़ गए। टाइगर हिल फ़तह हो गया था और उसमें ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह का बड़ा योगदान था। अपनी वीरता के लिए ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह ने परमवीर चक्र का सम्मान पाया और वह अपने प्राण देश के भविष्य के लिए भी बचा कर रखने में सफल हुए यह उनका ही नहीं देश का भी सौभाग्य है।

टाइगर हिल का टाइगर

भारत और पाकिस्तान की नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान समर्थित घुसपैठियों 1999 के प्रारम्भ में कारगिल क्षेत्र की 16 से 18 हजार फुट ऊंची पहाड़ियों पर क़ब्ज़ा जमा लिया था। मई 1999 के पहले सप्ताह में इन घुसपैठियों ने श्रीनगर को लेह से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण राजमार्ग पर गोलीबारी आरंभ कर दी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए भारत ने इन घुसपैठियों के विरुद्ध आपरेशन विजय के तहत कार्रवाई आरंभ की। इसके बाद संघर्षों का सिलसिला आरंभ हो गया। हड्डी गला देने वाली ठंड में भी भारतीय सेना के रणबांकुरों ने दुश्मनों का डट कर मुकाबला किया। 2 जुलाई को कमांडिंग आफिसर कर्नल कुशल ठाकुर के नेतृत्व में 18 ग्रेनेडियर को टाइगर हिल पर क़ब्ज़ा करने का आदेश मिला।

मार्केट अनसर्टेनिटी में एसेट एलोकेशन अधिक महत्वपूर्ण क्यों है?

नई दिल्ली (एजेंसी)। इक्विटी मार्केट में कहा जाता है कि अनसर्टेनिटी ही केवल सर्टेनिटी है। COVID के बाद इक्विटी मार्केट ने जबरदस्त उछाल देखा और भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर के बाजार तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिसमें स्मॉल-कैप स्टॉक ने लगभग चार वर्षों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मार्केट के इस उत्साह ने ऐसे कई निवेशकों को आकर्षित किया, जिनके पास अनुभव नहीं था। उन्होंने इस चढ़ते मार्केट में लाभ कमाया, खासकर उन स्टॉक्स से जिसपर पहले किसी ने ध्यान नहीं दिया, पर बाद में वे लोकप्रिय हो गए। हालांकि, सितंबर 2024 के अंत तक, बाजार से लगभग 1.3 ट्रिलियन डॉलर साफ हो गया, इसमें स्मॉल-कैप स्टॉक लगभग 50त्न तक करेक्ट हुए। फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स ने 2025 के पहले 65 दिनों में भारत से 15.85 बिलियन निकाले थे, जिससे 2022 के रिकॉर्ड 17 बिलियन को पार करने की संभावना है।

इससे यह पता चलता है कि इक्विटी के लॉन्ग-टर्म बेहतर प्रदर्शन का सिद्ध इतिहास होने के बावजूद दूसरे एसेट के अनुपात में उसपर एकमात्र भरोसा नहीं किया जा सकता है, क्योंकि COVID, ट्रेड वॉर और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रा अवमूल्यन जैसे मैक्रो इकोनॉमिक्स ट्रिगर्स की वजह से वोलेटाइल रिटर्न का जोखिम बना रहता है।

इसलिए, अगर आप इन मैक्रो इकोनॉमिक्स प्रभावों के कारण अपनी नींद गंवाना नहीं चाहते हैं, तो आपको एसेट एलोकेशन पर सावधानीपूर्वक ध्यान देते हुए पोर्टफोलियो बनाना चाहिए, जिसमें इक्विटी, डेट और गोल्ड का मिश्रण शामिल हो। यह रणनीति पोर्टफोलियो वोलैटिलिटी को कम कर सकती है और उचित लॉन्ग-टर्म रिटर्न दे सकती है। अध्ययनों से पता चलता है कि सस्टेनेबल लॉन्ग-टर्म रिटर्न सिक्योरिटी सलेक्शन की तुलना में एसेट एलोकेशन पर अधिक निर्भर है। इसने एसेट एलोकेशन फंडों को विश्वसनीयता प्रदान की है, जहां मॉडल-ड्रिवन अप्रोच के आधार पर अलग-अलग एसेट एलोकेशन क्लास में आवंटन किया जाता है। इस दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप मॉडल की रीडिंग के अनुसार एसेट क्लास का वेटेज अपने आप एडजस्ट होता है।

एयरफोर्स ने पहली बार हमले के लिए किया तेजस का इस्तेमाल, ये भारतीय कंपनी करती है इनका निर्माण

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले का भारतीय सेना और एयर फोर्स ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए बदला ले लिया है। एयर फोर्स ने अपने लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल करते हुए न सिर्फ पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में बल्कि अंतरराष्ट्रीय सीमा में घुसकर पाकिस्तान में संचालित आतंकवाद के ठिकानों को तबाह कर दिया।

भारतीय वायु सेना जिन विमानों का इस्तेमाल करती है, उसमें फ्रांस निर्मित रफाल और रूस के सुखाई व मिग विमान तो हैं ही, साथ ही भारतीय वायु सेना ने पहली बार स्वदेश निर्मित तेजस विमानों का भी इस्तेमाल किया है। आइए जानते हैं कि यह विमान कौन सी कंपनी बनाती है और इसकी खासियत क्या है?

डीआरडीओ ने विकसित किया, एचएएल करती है तेजस का निर्माण तेजस एक लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट है। इसमें जीई 404 इंजन का इस्तेमाल होता है। इसे डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ने विकसित किया है। हालांकि, इसकी मैन्युफैक्चरिंग हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड यानी एचएएल करती है। एचएएल भारत की सबसे बड़ी रक्षा कंपनी है। एयर फोर्स ने एचएएल को 180 तेजस विमानों का ऑर्डर दिया हुआ जो 2032 तक पूरा करना है।

HAL तेजस के अलावा हेलीकॉप्टर, एवियोनिक्स और कई तरह के एयरोस्पेस बनाने का भी काम करती है।

Indian Oil ने अफवाहों पर किया खुलासा, कहा ग्राहकों को घबराने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान से चल रही लड़ाई के बीच पेट्रोल-डीजल की सप्लाई को लेकर चल रही अफवाहों को लेकर देश की सबसे बड़ी पेट्रोलियम कंपनी ने आगाह किया है। इंडियन ऑयल ने शुक्रवार सुबह बयान जारी कर कहा कि कंपनी के पास पूरे देश में पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त स्टॉक है। हमारी आपूर्ति लाइनें सुचारू रूप से चल रही हैं।

इंडियन ऑयल ने उपभोक्ताओं को सलाह देते हुए कहा कि घबराकर खरीदारी करने की कोई जरूरत नहीं है। हमारे सभी आउटलेट पर ईंधन और एलपीजी आसानी से उपलब्ध है।इसके अलावा, कंपनी ने उपभोक्ताओं से अनुरोध किया कि शांत रहकर और अनावश्यक भीड़ से बचकर हमें आपकी बेहतर सेवा करने में मदद करें। इससे हमारी आपूर्ति लाइनें निर्बाध रूप से चलती रहेंगी और सभी के लिए निर्बाध ईंधन पहुंच सुनिश्चित होगी।

बता दें, इंडियन ऑयल देश की सबसे बड़ी पेट्रोलियम कंपनी है। इंडियन ऑयल के अलावा बीपीसीएल और एचपीसीएल मिलकर पूरे देश को पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और एटीएफ की सप्लाई सुनिश्चित करती हैं।

भारत के पास 5.33 एमएमटी क्षमता वाले रणनीतिक स्टोरेज केंद्र हैं, जो कि आंध्र प्रदेश में विशाखापत्तनम (1.33 एमएमटी) और कर्नाटक के मैंगलोर (1.5 एमएमटी) और पादुर (2.5 एमएमटी) में स्थित हैं। ये तीनों जमीन के नीचे बनाए गए हैं और देश की 9.5 दिन की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त हैं।

इसके अलावा, पाकिस्तान ऐसे किसी ट्रेड रूट पर नहीं आता, जिससे अन्य देशों से क्रूड ऑयल का आयात प्रभावित हो सके। ऐसे में देश में पेट्रोल-डीजल की सप्लाई में किसी प्रकार की बाधा आने की आशंका नहीं है।

SBI ने यस बैंक को लेकर किया बड़ा ऐलान, इस कंपनी को मिलेगी बैंक की 13% से ज्यादा हिस्सेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंबे समय से गिरावट के दौर से गुजर रहे Yes Bank share को लेकर एक अच्छी खबर आई है। जापान की बैंकिंग एंड फाइनेंस कंपनी सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉरपोरेशन यस बैंक में हिस्सेदारी खरीदने जा रही है। यस बैंक के सबसे बड़े स्टेकहोल्डर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने शुक्रवार को एक्सचेंज फाइलिंग में यह जानकारी दी।

भारतीय स्टेट बैंक ने बताया कि वह यस बैंक में 13.19 फीसदी हिस्सेदारी जापान की बैंकिंग एंड फाइनेंस कंपनी SMBC को बेचने जा रहा है। 21.50 रुपए प्रति शेयर पर यह सौदा होगा। यह सौदा कुल 8888.97 करोड़ रुपए में होगा और इसमें 413 करोड़ से अधिक इक्विटी शेयर ट्रांसफर किए जाएंगे। यह प्रक्रिया अगले 12 महीने में पूरी की जाएगी।

इस खबर की सुगबुगाहट के चलते यस बैंक के शेयरों में बीते तीन दिनों से लगातार तेजी देखी जा रही थी। शुक्रवार को भी Yes Bank shares में 10 फीसदी की उछाल देखने को मिली। यह 20.05 रुपए पर बंद हुए।

मीडिया रिपोर्ट की मानें तो सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉरपोरेशन यस बैंक में 51 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने में इच्छुक है। यदि ऐसा होता है तो Yes Bank का तेजी से विस्तार होगा और बैंक का मुनाफा भी बढ़ेगा। इसीलिए उम्मीद में बैंक के शेयरों में तेजी देखने को मिल रही है।

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच क्या करें निवेशक

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शेयर बाजार में भारी बिकवाली का माहौल है। शुक्रवार को शेयर बाजार के प्रमुख संवेदी सूचकांकों बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी में पूरे दिन बिकवाली दिखी। बीएसई सेंसेक्स 880 अंक लुढ़क कर 79,454 पर क्लोज हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी 265 अंक लुढ़क कर 24,0008 पर बंद हुआ।

इससे साफ तौर पर जाहिर होता है कि युद्ध जैसे परिस्थिति को बनते देख निवेशक घबराए हुए हैं। अगर आपको भी समझ नहीं आ रहा है कि ऐसे समय में क्या करना चाहिए, तो ये आर्टिकल आपके लिए है। उतार-चढ़ाव के इस माहौल में किस तरह से निवेश करना चाहिए, हमारे एक्सपर्ट्स बता रहे हैं।

एक्सपर्ट्स ने क्या दी सलाह- बजाज ब्रोकिंग रिसर्च के अनुसार, ये मौजूदा परिस्थिति लंबे समय के लिए नहीं रहने वाली है। इसलिए निवेशकों को तुरंत कोई भी एक्शन नहीं लेना चाहिए। पहले भी ऐसी परिस्थितियों में स्टॉक मार्केट में छोटी अवधि के लिए गिरावट देखी गई है। जिसकी रिकवरी धीरे-धीरे पूरी हो जाती है।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि निवेशकों को फिलहाल अच्छी वैल्यूएशन वाले स्टॉक में ही निवेश करना चाहिए। इसके अलावा पूरी तरह से किसी भी शेयरों की बिकवाली करने से बचें।

निवेशक युद्ध जैसी परिस्थिति में क्या करें- बजाज ब्रोकिंग रिसर्च ने मौजूदा समय में ट्रेडिंग को लेकर भी सलाह दी है।

डायवर्सिफिकेशन- ये हमेशा से सुझाव दिया जाता है कि निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में डायवर्सिफिकेशन रखनी चाहिए। जिसका मतलब हुआ कि उन्हें अलग-अलग तरह के फंड और प्लेटफार्म दोनों को ही शामिल करना चाहिए। ताकि निवेशकों को कम से कम जोखिम हो।

क्वालिटी स्टॉक- निवेशकों को ऐसे समय में अच्छी गुणवत्ता या वैल्यू वाले स्टॉक ही खरीदने चाहिए। ऐसी कंपनियों में निवेश करें जिसका मार्केट कैपिटलाइजेशन अच्छा हो। इसके साथ ही कंपनी के पास कम से कम उधार हो और वे एक स्थिर इनकम कमा रही हों।

तनाव से भारत-पाकिस्तान के लिए ऋण जोखिम बढ़ेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने गुरुवार को कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने से दोनों देशों के लिए ऋण जोखिम भी बढ़ेगा। एसएंडपी ने भारत और पाकिस्तान को सकारात्मक परिदृश्य के साथ बीबीबी- और सीसीसी (स्थिर परिदृश्य) रेटिंग दे रखी है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में उसे संप्रभु क्रेडिट रेटिंग पर तत्काल कोई प्रभाव नहीं दिखता है। अगले दो से तीन सप्ताह तक तनाव के उच्च स्तर पर बने रहने की आशंका है और दोनों पक्षों की ओर से महत्वपूर्ण सैन्य कार्रवाई की जा सकती है।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने बयान में कहा, भारत और पाकिस्तान के बीच शत्रुता शुरू होने से क्षेत्रीय ऋण जोखिम बढ़ गया है, खासकर इसमें शामिल दोनों देशों के लिए। हमारा मूलभूत तर्क यह है कि तीन सैन्य कार्रवाई अस्थायी है, जिससे लंबे समय तक सीमित और छिटपुट टकराव का रास्ता बनेगा।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मैहर में बारातियों से भरी गाड़ी पलटी गाड़ी में सवार 7 लोग गंभीर रूप से घायल

रीवा। रीवा से मैहर आई बारात शादी समारोह में शामिल होने के बाद वापस लौट रहे बारातियों की गाड़ी अनियंत्रित हो कर पलटने से गाड़ी में बैठे बच्चों सहित सात लोग घायल मौके पर पहुंची थाना पुलिस की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

मैहर थाना अंतर्गत ह्॥ 30 में शुक्रवार की सुबह 8 बजे के आस पास अमरानाला के पास तेज रफ्तार बोलेरा कार एमपी 17 सीसी 0399 अनियंत्रित हो कर पलट गई कार में सवार 7 लोग गंभीर रूप से घायल हैं।घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंच कर थाना पुलिस ने घायलों को घंटों मशक्कद के बाद गाड़ी से बाहर निकाला एवं 108 एंबुलेंस से घायलों को इलाज के लिए मैहर सिविल अस्पताल भेजा गया जहां इलाज के बाद सभी

घायलों को रीवा के संजय गांधी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया।

बताया जा रहा है कि बीती रात रीवा के ग्राम लाहोली से पाठक परिवार की बारात मैहर के अंमदरा आई थी।

जहां विवाह कार्यक्रम में शामिल होने के बाद सुबह बारात वापस लौट रही थी।

तभी मैहर के अमरानाला के पास तेज रफ्तार बोलेरा कार अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर से जा टकराई।

सड़क में दो से तीन बार पलटने के बाद थम गई घटना के बाद चीख पुकार मच गई।

आनन फानन में स्थानीय लोगों द्वारा मैहर थाना पुलिस को सूचना दी गई।

थाना पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घायलों को इलाज के लिए मैहर सिविल अस्पताल पहुंचाया।कार में सवार 7 लोग चालक चन्द्र प्रताप सिंह 56 वर्ष, दिव्यांशी पांडे 10 वर्ष, रुचिपांडे 23 वर्ष, शरद द्विवेदी 19 वर्ष, अभिषेक पांडे 20 वर्ष, प्रीति शर्मा 26 वर्ष, ज्योति द्विवेदी 28 वर्ष गंभीर चोट आई जिन्हें मैहर सिविल अस्पताल में इलाज के बाद रीवा रेफर कर दिया गया।

वही पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच कर रही है। वही घायल ने बताया कि गाड़ी काफी रफ्तार में थी और ड्राइवर को झपकी लगने की वजह से कार अनियंत्रित हो गई।

डिवाइडर से टकरा गई जिसकी वजह से सड़क पर कई बार पलटने के बाद सीधी हो गई। वही घायलों में एक लड़की के गले में गंभीर चोट के निशान है।

मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों की फोर्स को किया अलर्ट

भोपाल। पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के साथ ही मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों को अलर्ट कर दिया है। किसी भी तरह की आपात स्थिति के लिए पुलिस बल को अलर्ट रहने के लिए कहा गया है। सामान्य स्थिति में पुलिसकर्मियों को छुट्टियां नहीं देने को कहा गया है और पहले से अवकाश में चल रहे पुलिसकर्मियों की छुट्टियां रद करने पर विचार किया जा रहा है।

सबसे पहले पहलगाम की घटना के बाद पुलिस मुख्यालय ने अलर्ट जारी किया था। इसके बाद तनाव बढ़ने पर फिर अलर्ट कर दिया गया है। पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों के बीच लगातार बैठकें चल रही हैं।आंतरिक कानून-व्यवस्था को लेकर भी पुलिस अधीक्षकों को सतर्क रहने के लिए कहा गया है। बुधवार को माकड्रिल के बाद रहीं कमियों को भी दूर किया जा रहा है। इसके लिए अनाउंसमेंट सिस्टम, इंटरनेट मीडिया पर अफवाह फैलने से रोकने जैसे कदम शामिल हैं।

उज्जैन शहर में 150 पुलिसकर्मियों ने फ्लैगमार्च निकाला और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। उज्जैन के महाकाल ज्योतिर्लिंग और महाकाल लोक के दर्शन करने बड़ी संख्या में श्रद्धालु देशभर से यहां पहुंचते हैं। ऐसे में शहर में पुलिस हाईअलर्ट पर है।

इधर मंत्री तुलसी सिलावट ने ग्वालियर के हर वार्ड में सायरन लगाने के निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि ग्वालियर में वायुसेना का एयरबेस है। ऐसे में यहां पर विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

सेना में ज्यादा से ज्यादा पहुंचे अग्निवीर इसलिए दौड़ का समय 30 सेकंड बढ़ाया

ग्वालियर। सेना की भर्ती प्रक्रिया में अब ऐसे बदलाव किए गए हैं, जिससे अधिक से अधिक अग्निवीर मिल सकें। इसके लिए दो साल पहले लिखित परीक्षा पहले कराने का प्रयोग हुआ, ताकि उसे उत्तीर्ण करने वालों को ही शारीरिक दक्षता निकालने का मौका मिल सके।

पहले शारीरिक दक्षता निकालने करने के बाद लिखित परीक्षा में बैठने वालों को उत्तीर्ण न होने की स्थिति में बेहद अफसोस होता था। इस नियम के बाद अब इस बार दौड़ का समय 30 सेकंड तक बढ़ा दिया गया है।अब अभ्यर्थियों को 1600 मीटर की दौड़ पूरी करने के लिए छह मिनट 15 सेकंड का समय मिलेगा, जो पहले पांच मिनट 45 सेकंड तक था। हालांकि जैसे-जैसे दौड़ का समय पांच मिनट 30 सेकंड से ऊपर जाएगा, वैसे-वैसे प्राप्तांक कम होंगे।

थोड़े अधिक समय में दौड़ पूरी करेंगे

पहले पांच मिनट 30 सेकंड से लेकर पांच

मिनट 45 सेकंड तक की समयावधि में 1600 मीटर दौड़ पूरी करने वाले अभ्यर्थियों को ही क्वालिफाई माना जाता था। इसके बाद जो छह मिनट या इससे थोड़े अधिक समय में दौड़ पूरी करेंगे। उन्हें भी बाहर नहीं किया जाएगा।

पहले सिर्फ दौड़ इस अवधि में पूरी न करने पर कई अच्छे शारीरिक शौष्ठव वाले और अच्छे बौद्धिक स्तर वाले नवयुवक भी बाहर हो जाते थे। अब ऐसा नहीं होगा। अब 6.15 मिनट तक 1600 मीटर दौड़ पूरी करने वाले अभ्यर्थियों को भी बाहर नहीं किया जाएगा। बस इनके अंक कम हो जाएंगे, जिन्हें वे आगे के चरणों में बढ़ाकर चयन पा सकते हैं।

चयन प्रतिशत बढ़ेगा

इस नियम से सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि अब चयन प्रतिशत बढ़ जाएगा। जब दौड़ में अधिक संख्या में अभ्यर्थी चयनित हो जाएंगे तो सिर्फ 5.30 मिनट से लेकर 5.45 मिनट में दौड़ न पूरी करने की वजह से ही अभ्यर्थी बाहर नहीं होंगे। अब शारीरिक परीक्षा में समूह ग्रुप बनाए जाएंगे, खासकर दौड़ और पुलअप में। इसमें दौड़ पूरी करने के समय और पुलअप की संख्या के आधार पर समूहों में बांटा जाएगा।अच्छे अभ्यर्थी बाहर नहीं होंगे

सेना में चयन प्रतिशत बढ़े, इसके लिए लिखित परीक्षा पहले की गई। अब दौड़ का समय 30 सेकंड तक बढ़ाया है। इसमें अंक कम रहेंगे, लेकिन अच्छे अभ्यर्थी सिर्फ 5.45 मिनट में दौड़ पूरी न कर पाने की वजह से बाहर नहीं होंगे। - कर्नल पंकज कुमार, निदेशक, सेना भर्ती कार्यालय, ग्वालियर

जबलपुर गन कैरिज फैक्ट्री में सारंग, धनुष तोप सहित एलएफजी को तेजी से बनाने का काम जारी

जबलपुर । आयुध क्षेत्र में देश की सबसे बड़ी और पुरानी गन कैरिज फैक्ट्री (जीसीएफ) या आयुध निर्माणी ने भारतीय सेना की ताकत सारंग और धनुष तोप के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करते हुए इनके उत्पादन में तेजी ला दी है। जीसीएफ करीब आठ साल के लंबे इंतजार के बाद अब फिर से लाइट फील्ड गन (एलएफजी) का उत्पादन भी कर रही है।

जीसीएफ के पास इस वर्ष करीब 2300 करोड़ रुपये के आयुध उत्पादन का लक्ष्य है। इसमें टैंक टी-70 और टी-92 का निर्माण भी शामिल है। इसके अलावा सैन्य उपयोगी सारी प्रमुख गन के कलपुर्जे भी जीसीएफ बना रही है। फिलहाल सारंग, धनुष तोप सहित अन्य हथियारों के उत्पादन और आपूर्ति तय समय से पूर्व करने पर जोर दिया जा रहा है।सैन्य सामान की यहीं से होती है आपूर्ति

जीसीएफ वर्ष 2010 के बाद से ही सारंग तोप, धनुष तोप और एलएफजी का उत्पादन करती रही है। विभिन्न सैन्य साजो-सामान के कलपुर्जे की आपूर्ति भी यहीं से होती रही है। भारतीय सेना की ताकत धनुष तोप आधुनिक दौर में और भी उन्नत व महत्वपूर्ण हो चली है। यह बोफोर्स का अपग्रेड वर्जन भी है।

इसकी तकनीक को जीसीएफ ने उन्नत किया और इसे स्वदेशी तकनीक के आधार पर विकसित किया गया। इसी तरह, हल्की होने के कारण एलएफजी का परिवहन हमेशा से आसान रहा है। बता दें, जीसीएफ की शुरुआत वर्ष 1904 में अंग्रेजों ने की थी। यह भारतीय सेना, सशस्त्र बलों की आयुध संबंधी जरूरतों को पूरा करती है।

इन हथियारों में यह है खास धनुष तोप = धनुष तोप 40 से 42 किमी तक दूर स्थित निशाने को सटीक तरीके से भेद सकती है। पहाड़ियों पर या आमने-सामने के युद्ध में यह सेना की बड़ी ताकत है।

सारंग तोप = पहले जहां इसकी क्षमता 28 किमी दूर तक मार करने की थी। अब इसे बढ़ाकर 32 किमी तक कर लिया गया है।

सतना जिले के प्रधान आरक्षक प्रिंस गर्ग की इलाज के दौरान मौत, सिरफिरे ने थाने में घुसकर मारी थी गोली

रीवा। सतना जिले के जैतवारा थाने में एक सिरफिरे ने थाने में घुसकर प्रधान आरक्षक प्रिंस गर्ग को गोली मार दी थी। इसके बाद उन्हें गंभीर हालत में उन्हें दिल्ली रेफर किया गया था, जहां अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने आरोपितों को शॉर्ट एनकाउंट में पकड़ लिया है।

प्रधान आरक्षक प्रिंस गर्ग को इलाज के लिए पहले रीवा के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। गंभीर हालत होने के बाद भी यहीं उनका इलाज होता था, जब स्थिति ज्यादा बिगड़ी तो उन्हें दिल्ली रेफर किया गया। प्रिंस की मौत की सूचना के बाद उनके परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल है।बैरक के अंदर मारी थी गोली

आरोपी आदर्श उर्फ अच्छू शर्मा को सिरफिरा बताया जाता है। उसने आरक्षक को थाने के बैरक के अंदर घुसकर गोली मारी थी। इसके बाद उसे तीन मई को शॉर्ट एनकाउंटर में गिरफ्तार कर लिया गया था। पुलिस जब उसने पकड़ने पहुंची तो उसने फिर से फायरिंग की थी।

सिंहस्थ-2028 के पूर्व सभी तरह के निर्माण कार्यों को गुणवत्ता और पारदर्शिता के साथ पूर्ण करें- संभागायुक्त श्री सिंह

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में आज संभागायुक्त कार्यालय में सिंहस्थ-2028 के निर्माण कार्यों को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर इंदौर श्री आशीष सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, संयुक्त आयुक्त विकास श्री डी.एस. रणदा, इंदौर विकास प्राधिकरण के वरिष्ठ इंजीनियर अनिल कुमार जोशी, पुरात्व विभाग के उप संचालक श्री प्रकाश परांजपे, एमपीआरडीसी के एजीएम प्रतीक शर्मा, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग के श्री हिमांशु पाण्डे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। गूगल मीट के माध्यम से खरगोन कलेक्टर श्रीमती भव्या मित्तल, खंडवा कलेक्टर श्री ऋषभ गुप्ता शामिल हुए।

बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने सिंहस्थ-2028 के अंतर्गत इंदौर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, जिला पंचायत, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, जल संसाधन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग, लोक निर्माण विभाग, जिला शहरी विकास अभिकरण द्वारा किये जा रहे विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने सभी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी तरह के निर्माण कार्यों को पारदर्शिता, गुणवत्ता, संवेदनशीलता के साथ और समय-सीमा में पूर्ण किये जायें। जिन निर्माण कार्यों के टेंडर हो चुके है उसे शीघ्र पूर्ण किया जाये और जो कार्य प्रस्तावित है उस पर भी ध्यान दिया जाये। श्री सिंह ने कहा कि अधिकारी मौके पर जाकर विकास कार्यों का मुआयना करें और उसकी प्रगति रिपोर्ट भी बनाये। जो अधिकारी कार्य में लापरवाही और अनुशासनहीनता बरतेगा उनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जायेगी।

बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने बताया कि सिंहस्थ-2028 के अंतर्गत रेसीडेंसी स्थित विश्राम भवन गेस्ट हॉउस में उन्नयन कार्य किया जाना है। इसके अलावा निरंजनपुर चौराहे से मांगलिया तक स्टार्म वाटर ड्रेन लाइन बनाना है। साथ ही तलावली चांदा से अरंड़िया मार्ग तक उन्नयन कार्य किया जाना है। नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा ने बताया कि सिंहस्थ के तहत नमामि गंगे परियोजना फेज-एक के अंतर्गत कान्ह नदी शुद्धीकरण के लिये सीवरेज ट्रीटमेंट का कार्य होना है, इसके अलावा पालदा तिराहे से बायपास तक 4 किलो मीटर लंबी सड़क का निर्माण कार्य होना है। साथ ही सुपर कॉरिडोर, लवकुश चौराहा से पालिया टोल नाका तक 12 किलो मीटर लम्बी सड़क बनना है। इस निर्माण से इंदौर से उज्जैन जाने वाले यात्रियों के लिये सुगम यातायात होगा।

इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा बताया गया कि इंदौर-उज्जैन रोड़ के यातायात को सुगम बनाने हेतु एमआर-10 पर रेल्वे ओवर ब्रिज के समानांतर अतिरिक्त फोरलेन का निर्माण करना है, जो दो वर्ष की अवधि में पूरा हो जायेगा। इस रोड़ के बन जाने से इस रोड़ का यातायात सुगम होगा।

बैठक में बताया गया कि पुरात्व अभिलेखाकर एवं संग्रहालय द्वारा इंदौर और उज्जैन संभाग में सिंहस्थ-2028 के अंतर्गत 266 करोड़ रूपये के संरक्षण संबंधी कार्य होना है। जिसमें लालबाग पैलेस का बगीचा एवं बाउंड्रीवाल, कृष्णाबाई होल्कर की छत्री, राजबाड़ा का दरबार हॉल, जाम गेट का सुधार कार्य, महेश्वर का संग्रहालय, बुरहानपुर में गुरू गोविंद सिंह स्मृति संग्रहालय का विकास कार्य, धार में किले के विकास कार्य, अमझेरा में राणा बख्तावर सिंह का स्मारक, माण्डव में छप्पन महल संग्रहालय का विकास कार्य आदि शामिल है।

विपक्षी दल और मीडिया की भूमिका एक समान

इंदौर। स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. ने संवाद कार्यक्रम में मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त नौ प्रवक्ताओं का स्वागत किया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने हाल ही में इंदौर के नौ कांग्रेस नेता सर्वश्री संतोष गौतम, राजेश चौकसे, अमित चौरसिया, आनंद जैन कासलीवाल, प्रमोद द्विवेदी, हर्ष जैन कीमती, हिमानी सिंह, मृणाल पंत और निलाभ शुक्ला को प्रवक्ता का दायित्व सौंपा है। स्वागत के प्रत्युत्तर में प्रवक्ताओं ने कहा कि विपक्षी दल और मीडिया की भूमिका लगभग समान है। दोनों सरकार और समाज की विषमताओं को सामने लाते हैं। उन्होंने कहा कि 2018 में जब मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार आई तब प्रवक्ताओं ने राज्य सरकार की अनेक योजनाओं की सच्चाई उजागर की थी। आज फिर मध्यप्रदेश में भ्रष्टाचार और बदहाली का दौर है। सभी प्रवक्ता मिलकर जनहित के मुद्दे उठाएंगे और 2028 में फिर से कांग्रेस की सरकार बनायेंगे। प्रवक्ताओं ने बताया कि मध्यप्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग की कार्यप्रणाली में व्यापक परिवर्तन किया है। सभी प्रवक्ताओं को एक-एक जिले का प्रभार सौंपा गया है। प्रतिदिन सम-सामयिक मुद्दों पर मुकेश नायक और अभय तिवारी के नेतृत्व में जूम मीटिंग के माध्यम से प्रचार-प्रसार के मुद्दे तय किए जाते हैं। प्रारम्भ में प्रवक्ताओं का स्वागत प्रवीण खारीवाल, मनोहर लिम्बोदिया, कमल कस्तूरी, सोनाली यादव, शीतल राय, रचना जौहरी, मीना राणा शाह, राजेन्द्र कोपरगांवकर एवं संजय मेहता ने किया।

महू में 11 वीं शती ईस्वी का महिषासुरमर्दिनी शक्ति मंदिर में भीली परंपरा हलमा से होगा जल संवर्धन

इंदौर। घटता जमीन का जल स्तर , बारिश के पानी का संचय ना होकर बह जाना जैसी समस्या और सूखी धरती मां की प्यास बुझाने के लिए महू के रायकुंडा छापरिया के आदिवासियों ने संकल्प लिया है कि श्रमदान करके अपनी समस्या का समाधान स्वयं करेंगे और अपने पुरखों की महान परंपरा हलमा को पुनः जागृत करेंगे। जिसकी जिम्मेदारी स्थानीय आदिवासी युवाओं ने उठाई है। स्थान चयन करने से लेकर घर-घर निमंत्रण देना और सामूहिक बैठको का दौर जारी है। जहां पूरा विश्व ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्या से जूझ रहा है वहीं मध्यप्रदेश का आदिवासी युवा समाधान दे रहा हैं। अपने पुरखों की विरासत का जागरण कर भटकते हुए समाज को जल, जंगल , जमीन, जन, और जानवर के संवर्धन का संदेश दे रहा है । जैसे ही परमार्थ और जनकल्याण के भाव का उद्घोष हुआ महू नगर के कई सामाजिक संगठन के कार्यकर्ता, शासकीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि ने अपनी भूमिका सुनिश्चित कर तैयारियों में लगे हैं।

डॉ दीपमाला रावत जनजातीय प्रकोष्ठ राजभवन ने बताया है कि आधुनिक विकास की दौड़ में जनजाति समाज यह जानता है कि विकास मानव केंद्रित नहीं बल्कि प्रकृति केन्द्रित होना चाहिए, इसलिए महू का जनजातीय युवा अपने पुरखों की परंपरा को बचाने के लिए जतन कर रहा है।

इंदौर में देवारण्य योजना के तहत वन समितियों को औषधीय पौधों - अश्वगंधा के संकलन पर कार्यशाला संपन्न

इंदौर। आयुष विभाग द्वारा देवारण्य योजना के अंतर्गत एक जिला एक औषधि अश्वगंधा पहल के तहत अश्वगंधा की खेती को प्रोत्साहन देने के लिए वन समितियों और कृषकों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में जिला आयुष अधिकारी श्रीमती हंसा बारिया, वन विभाग की फॉरेस्ट रेंजर श्रीमती सुनीता ठाकुर, योजना के नोडल अधिकारी डॉ. शीतल कुमार सोलंकी, डॉ. कमलेश पाटिल, डॉ. राकेश गुप्ता, डॉ. मनीष रघुवंशी, श्री प्रदीप शर्मा, बीट प्रभारी श्री सचिन मंडलोई के साथ इंदौर वन मंडल के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य अश्वगंधा की खेती के आर्थिक और औषधीय महत्व को उजागर करना तथा कृषकों और वन समितियों को इसके उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन के लिए प्रशिक्षित करना था। श्रीमती हंसा बारिया ने बताया कि अश्वगंधा की खेती न केवल किसानों के लिए आर्थिक समृद्धि का द्वार खोलेगी, बल्कि आयुष क्षेत्र में इंदौर को एक नई पहचान भी दिलाएगी।

श्रीमती ठाकुर ने वन समितियों को अश्वगंधा की खेती के लिए तकनीकी सहायता और वन भूमि के उपयोग पर जोर दिया। डॉ. सोलंकी ने अश्वगंधा की खेती की आधुनिक तकनीकों और इसके औषधीय गुणों पर प्रकाश डाला।

किरायेदारों, कर्मचारियों, मजदूरों, यात्रियों, हॉस्टल में रहने वाले विद्यार्थियों की जानकारी निर्धारित प्रारूप में पुलिस को देना अनिवार्य

इंदौर। इंदौर शहर में कानून व्यवस्था को कायम रखने/जन सामान्य के हित/जानमाल एवं लोक शांति को बनाये रखने हेतु किरायेदारों, घरेलू कामगारों और कर्मचारियों की जानकारी संबंधित थाने पर दिया जाना अनिवार्य किया गया है। इस संबंध में पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह ने प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये हैं।

जारी आदेश के अनुसार किरायेदारों की सूचना संबंधित मकान/दुकान मालिक द्वारा संबंधित थाने पर विहित प्रारूप में दी जाना होगी। कहा गया है कि इसके पूर्व मकान/दुकान किराये से नहीं दी जाये। साथ ही आई.डी.प्रूफ आवश्यक रूप से लिया जाये। घरेलू कामगारों एवं व्यावसायिक कर्मचारियों की सूचना भी संबंधित मालिक द्वारा थाने पर विहित प्रारूप में देना होगी। उनसे भी आई.डी.प्रूफ आवश्यक रूप से लेना होगा। छात्रावासों में रह रहे छात्र एवं छात्राओं की सूचना विहित प्रारूप में संबंधित थाने को दी जाना होगी। साथ ही आई.डी.प्रूफ आवश्यक रूप से लिया जाना होगा। होटल, लॉज, धर्मशाला में रुकने वाले व्यक्तियों से पहचान पत्र अनिवार्य रूप से लेना होगा। ठहरने वाले व्यक्तियों की सूची विहित प्रारूप में प्रतिदिन थाने पर देना होगी। इसी तरह आदेश में कहा गया है कि भवन निर्माण एवं अन्य निर्माण कार्यों में लगे मजदूरों/कारीगरों की सूचना ठेकेदार द्वारा विहित प्रारूप में थाने पर देने के उपरांत ही उन्हें काम पर रखा जाए। साथ ही आई.डी. प्रूफ आवश्यक रूप से लिया जाये, इसके अतिरिक्त पुलिस द्वारा अतिथि पोर्टल प्रारम्भ किया गया है, इस पोर्टल पर भी रूकने वालों की जानकारी अवश्य दर्ज की जाये।

कलेक्टर ने भेजा नायब तहसीलदार नागेन्द्र त्रिपाठी को निलम्बित करने का प्रस्ताव

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा नायब तहसीलदार नागेन्द्र त्रिपाठी, तहसील मल्हारगंज को राजस्व प्रकरणों के निराकरण में राशि की मांग करने एवं नियमों के विपरीत आदेश पारित किये जाने के फलस्वरूप आयुक्त इंदौर संभाग,इंदौर से श्री नागेन्द त्रिपाठी को निलम्बित करते हुए विभागीय जांच संस्थित किये जाने की अनुशंसा की गयी है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा नायब तहसीलदार श्री त्रिपाठी के संबंध में प्राप्त शिकायत पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मल्हारगंज को जांच करने के निर्देश दिये गये थे। शिकायत ग्राम जाख्या स्थित भूमि के नामान्तरण में पटवारी के माध्यम से एक आवेदिका के फौती नामान्तरण के प्रकरण में नायब तहसीलदार नागेन्द्र त्रिपाठी,तहसील मल्हारगंज द्वारा राशि की मांग किये जाने संबंधी शिकायत प्राप्त हुई थी। जाँच उपरांत हल्का पटवारी के माध्यम से राजस्व प्रकरण के निराकरण में अनुचित तरीके से राशि मांगने के आक्षेपों के सम्बन्ध में श्री त्रिपाठी की भूमिका सन्देहास्पद पायी गयी है। श्री त्रिपाठी द्वारा मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता में निहित प्रावधानों का पालन किए बिना तथा बिना स्थल निरीक्षण किए मात्र पटवारी द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर शासकीय भूमि से निजी खातेदार को नवीन माँग उपलब्ध कराया गया। भूमि शासकीय होने से भूमि में शासन का हित निहित था तथा शासन हित रक्षण करने का दायित्व सम्बन्धित तहसीलदार का था। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने सभी राजस्व अधिकारियों को ताकीद दी है कि राजस्व प्रकरणों में लापरवाही पाये जाने पर कठोर कार्यवाही की जायेगी।

संभागायुक्त ने शासकीय कार्य में लगातार अनुपस्थित रहने पर श्री बारिया को किया निलंबित

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने मनरेगा सहित जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों की बैठक में लगातार अनुउपस्थित रहने पर बड़वानी जिले के अनुविभागीय अधिकारी श्री बहादुरसिंह बारिया को निलंबित कर दिया है। सक्षम अधिकारी की अनुमति के बगैर श्री बारिया बैठक में अनुपस्थित पाये गये। संभागायुक्त श्री सिंह ने यह कार्रवाई श्री बारिया द्वारा शासकीय कार्यों में रूचि नहीं लेने एवं कर्तव्य में निरंतर लापरवाही बरतने पर की गई।

सक्षम अधिकारी के अनुसार मनरेगा की प्रति दिवस होने वाली वीडियो कांफ्रेसिंग सहित जनपद पंचायत समीक्षा बैठक में श्री बारिया अनुपस्थित रहते थे।

साथ ही पिछले माह जल गंगा संवर्धन अभियान की आयोजित महत्वपूर्ण बैठक तथा कलेक्टर में आयोजित पेयजल समस्या एवं जल प्रदाय की समीक्षा बैठक में भी अनुपस्थित पाये गये साथ मनरेगा योजना की समीक्षा के दौरान भी श्री बारिया के कार्य क्षेत्र में संबंधित कार्यक्षेत्र के संबंधित ग्राम पंचायतों की प्रगति संतोषजनक नहीं पाई गई। इस तरह श्री बारिया ने शासन के नियम निर्देशों का पालन नहीं किया और वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निर्देशों को गंभीरता से नहीं लिया। इस प्रकार श्री बारिया का कृत्य वरिष्ठ अधिकारियों अवहेलना के साथ शासकीय कार्य में लापरवाही और अनुशासनहीनता को दर्शाता है।

संभागायुक्त सिंह द्वारा जारी आदेशानुसार श्री बारियां का मुख्यालय कलेक्टर कार्यालय जिला बड़वानी नियत किया गया है।

आईटीआई प्रवेश सत्र 2025-26 के लिये पंजीयन प्रक्रिया प्रारम्भ

इंदौर। जिले में संचालित शासकीय/निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में प्रवेश प्रक्रिया 01 मई 2025 से प्रारम्भ हो चुकी है। आईआईटी में प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थी ऑनलाइन https://mpiticounseling.co.in/ पर 31 मई तक अपना पंजीयन करा सकते हैं। इसके बाद अभ्यर्थियों को च्वॉइस फिलिंग भरना होगा तथा पंजीयन के पश्चात इच्छित संस्थाओं एवं ट्रेड्स के क्रम का चयन 10 मई से 31 मई तक कर सकेंगे। पोर्टल पर पंजीकृत आवेदकों के लॉगइन पर 05 जून 2025 को कॉमन रैंक प्रदर्शित की जाएगी।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

समस्त झोन कार्यालयों में आज किया जाएगा नेशनल लोक अदालत का आयोजन

बकाया संपत्तिकर एवं जलकर जमा कर अधिभार में दी जा रही छूट का लाभ प्राप्त कर सकेंगे सम्पत्तिकरदाता

उज्जैनः शासन निर्देशानुसार 10 मई 2025 शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन नगर निगम के समस्त झोन कार्यालयों में किया जाएगा। जिसमें करदाता अपना बकाया सम्पत्तिकर एवं जलकर जमा करा कर दी जा रही विशेष छूट का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आयुक्त नगर निगम द्वारा आम करदाताओं की सुविधा के लिये समस्त झोन कार्यालयों में नेशनल लोक अदालत अन्तर्गत सम्पत्ति कर जमा कराए जाने के क्रम में विशेष व्यवस्थाएं किए जाने के निर्देश प्रदान किए हैं। करदाता संपत्ति कर संबंधित झोन कार्यालय में एवं जलकर चामुंडा माता चौराहे पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग कार्यालय मे जमा करा सकेंगे।

छूट की पात्रता

नेशनल लोक अदालत में संपत्ति कर के ऐसे प्रकरण, जिनमें कर तथा अधिभार की राशि 50 हजार रुपये तक बकाया है, उनमें अधिभार में 100 प्रतिशत तक की छूट दी जायेगी। सम्पत्ति कर के जिन प्रकरणों में कर एवं अधिभार की राशि 50 हजार रुपये से अधिक तथा एक लाख रुपये तक है, उनमें 50 प्रतिशत तक की छूट दी जायेगी। सम्पत्ति कर के जिन प्रकरणों में कर तथा अधिभार की राशि एक लाख रुपये से अधिक बकाया है, उसमें मात्र अधिभार में 25 प्रतिशत तक की छूट दी जायेगी।

जल कर/उपभोक्ता प्रभार के ऐसे प्रकरण, जिनमें जल कर एवं अधिभार की राशि 10 हजार रुपये तक बकाया है, उनमें अधिभार में 100 प्रतिशत की छूट दी जायेगी। ऐसे प्रकरण, जिसमें जल कर/उपभोक्ता प्रभार तथा अधिभार की राशि 10 हजार से अधिक तथा 50 हजार तक बकाया है, में अधिभार में 75 प्रतिशत तक की छूट दी जायेगी।

ऐसे प्रकरण, जिनमें जल कर/उपभोक्ता प्रभार तथा अधिभार की राशि 50 हजार से अधिक बकाया है, उनमें अधिभार में 50 प्रतिशत की छूट दी जायेगी। यह छूट मात्र एक बार ही दी जायेगी।

करदाताओं से अपील

महापौर श्री मुकेश टटवाल, निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव, निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक, राजस्व विभाग प्रभारी श्री रजत मेहता एवं जलकार्य एवं पीएचई प्रभारी श्री प्रकाश शर्मा ने शहर के सम्मानीय करदाताओं से अपील की है कि ऐसे करदाता जिन्होंने अभी तक अपना बकाया सम्पत्तिकर एवं जलकर जमा नहीं कराया है वे नेशनल लोक अदालत में दी जा रही छूट का लाभ प्राप्त करते हुए अपना बकाया सम्पत्तिकर एवं जलकर जमा करा कर शहर विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते हुए एक अच्छे नागरिक होने का परिचय दें।

अखंड भारत के शूरवीर योद्धा महाराणा प्रताप सिंह की जयंती मनाई

उज्जैन। अखंड भारत के परम प्रतापी राजा रहे मेवाड़ के शूरवीर योद्धा श्री महाराणा प्रताप सिंह की जयंती धूमधाम से मनाई गई। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा उज्जैन संभाग इकाई ने उनकी आदम कद प्रतिमा पर जाकर माल्या अर्पण कर उन्हें कोटि-कोटि नमन किया।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा उज्जैन संभाग के अध्यक्ष महेंद्र सिंह बेस ने क्षत्रिय राजपूत सरदारों और सर्व समाज के वरिष्ठ जनों के साथ मिलकर अखंड भारत के शूरवीर योद्धा रहे श्री महाराणा प्रताप सिंह जी की जयंती मनाई। इस अवसर पर उनकी चामुण्डा माता चौराहा उज्जैन स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एकता और अखंडता की शपथ ली। इस दौरान उज्जैन शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश भाटी, नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष रवि राय, पार्षद गण छोटे लाल मंडलोई, प्रेमलता रामी, पूर्व पार्षद रहे सुनील कछवाय, राजेंद्र राठौड़, चंदू यादव, अजय राठौर, रूप बसंत सिंह बेस, रमन सोलंकी, होशियार सिंह ठाकुर, आजाद सांखलिया, राकेश सांखलिया, संकेत रामी, शक्ति सिंह बेस, अरुण देशपांडे, राकेश बैंडवाल, अभिषेक लाला, विक्रम सिंह बेस, गोपाल राठौर, निरंजन सिंह ठाकुर आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

वैभव यादव बैडमिंटन एसोसिएशन के नवीन अध्यक्ष

उज्जैन। उज्जैन जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं मध्य प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रवीण वशिष्ठ ने बताया कि विगत 25 वर्षों से बैडमिंटन खेल की सेवाएं एवं जिला, संभाग एवं राज्य की स्पर्धाएं खेल नगरी उज्जैन में आयोजित करते रहे हैं। नई पीढ़ी को बैडमिंटन के क्षेत्र में आगे लाकर बैडमिंटन के वृहद विकास हेतु बैडमिंटन के खिलाड़ी वैभव यादव को जिला बैडमिंटन एसोसिएशन की आम सहमति से अध्यक्ष पद का दायित्व दिया जा रहा है।

वीरता के प्रतीक और बेमिसाल योद्धा थे महाराणा प्रताप- मुकेश भाटी

उज्जैन। वीरता के प्रतीक और बेमिसाल योद्धा थे महाराणा प्रताप। देश में मुगलों के खिलाफ महाराणा प्रताप का संघर्ष अविस्मरणीय है।

उक्त उद्गार शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी ने वीर योद्धा महाराणा प्रताप की जयंती के अवसर पर कहे। इस अवसर पर नेता प्रति पक्ष डॉ. रवि राय, संगठन मंत्री अजय राठौर, पार्षद प्रेमलता रामी, छोटेलाल मंडलोई, ब्लॉक अध्यक्ष पंडीत अभिषेक शर्मा लाला, सुनील कछवाय, राजेन्द्र राठौर, चंदू यादव, मनोज त्रिवेदी, जितेंद्र दुबे, संकेत रामी आदि ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

29वीं सिंधु दर्शन यात्रा को लेकर हुई बैठक–पहलगाम हमले में मारे गए लोगों की स्मृति में स्मारक बनाने की मांग

उज्जैन। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी जून माह में लेह लद्दाख में आयोजित होने वाले सिंधु उत्सव के अंतर्गत 29वीं सिंधु दर्शन यात्रा को लेकर सिंधु दर्शन यात्रा समिति के राष्ट्रीय संरक्षक व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी के सदस्य इंद्रेश कुमार की अध्यक्षता में 9 मई को उज्जैन में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में इंद्रेश कुमार ने पहलगाम हमले में मारे गए लोगों की स्मृति में एक स्मारक बनाने की बात कही है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य इंद्रेश कुमार ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद वहां देशभक्ति का स्मारक बनना चाहिए जो आतंकवादियों के अमानवीय चरित्र के विरुद्ध देश प्रेम का प्रतीक बनकर खड़ा हो। साथ ही कहा कि अब पाकिस्तान को सबक सिखाने का समय आ गया है। क्योंकि वह पांच हिस्सों में बगावत के रास्ते पर है। आपने भारत-पाकिस्तान के बीच मौजूदा तनाव को देखते हुए आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए अधिक से अधिक संख्या में आगामी जून माह में आयोजित होने वाली 29वीं सिंधु दर्शन यात्रा में अधिक से अधिक शामिल होने के लिए यात्रियो का मनोबल बढ़ाया। बैठक में पुनीत सांखला राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सिंधु दर्शन यात्रा समिति, प्रकाश चित्तौड़ा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सिंधु दर्शन यात्रा समिति, राजेंद्र शर्मा प्रांतीय अध्यक्ष सिंधु दर्शन यात्रा समिति, उषा पवार प्रांतीय उपाध्यक्ष सिंधु दर्शन यात्रा समिति, अनिल शर्मा प्रांतीय कोषाध्यक्ष, शिव वीरेंद्र राजपूत संभागीय अध्यक्ष, देवेंद्र कुमार पाठक जिला अध्यक्ष सिन्धु दर्शन यात्रा समिति, मीना सोनी प्रांतीय उपाध्यक्ष सिंधु दर्शन यात्रा समिति, कन्हैया शर्मा प्रदेश महामंत्री सहित हिमालय परिवार उपस्थित रहा। सिंधु दर्शन यात्रा समिति मालवा प्रांत की उषा कुंवर पंवार ने बताया कि सिंधु दर्शन यात्रा का आयोजन निरंतर 29 वर्षों से किया जा रहा है। सुदर्शन सभागार (ऑडिटोरियम) भारत माता मंदिर माधव सेवा न्यास महाकाल मंदिर में आयोजित बैठक में बड़ी संख्या में पुर्व एवं इस वर्ष जून माह में आयोजित होने वाली 29वीं सिंधु दर्शन यात्रा में शामिल होने वाले यात्री रहे उपस्थित।

11 मई को होगा आचार्यश्री विशुद्ध सागरजी महाराज ससंघ का उज्जैन में भव्य मंगल प्रवेश

उज्जैन। संयम, साधना और चारित्र के पवित्र स्तंभ, तप के तेजस्वी सूर्य, निर्ग्रन्थ मुनि, पट्टाचार्य पद विभूषण आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज का ससंघ (30 पिच्छी सहित) उज्जैन नगरी में प्रथम मंगल प्रवेश 11 मई को प्रातः होने जा रहा है।

अनिल गंगवाल ने बताया कि सुमति धाम, इंदौर में आयोजित पट्टाचार्य पदारोहण समारोह में पट्टाचार्य पद से अलंकृत होकर अब वे प्रथम बार उज्जैन में धर्मप्रवर्तन यात्रा करते हुए पधार रहे हैं। यह शुभ अवसर नगरवासियों के लिए अनंत पुण्य के उदय का कारण बना है। गुरुदेव के चरणों की धूल से पावन होने को आतुर श्रद्धालुओं में, जैसे नगरभर में भक्ति और भाव की सरिता बह निकली है। सकल जैन समाज इस दिव्य अवसर पर गुरुदेव को इस सदी के आराध्य देव, जीवित जिनप्रतिमा, और आत्मप्रभा से दीप्त ऋषिभूत संत के रूप में नमन कर रहा है।

प्रातः 6:30 बजे सिंधी कॉलोनी से प्रारंभ होकर जुलूस टॉवर, चामुंडा माता चौराहा, कोयला फाटक, निजातपुरा, बियाबानी, वीडी मार्केट चौराहा होते हुए कालिदास मांटेसरी स्कूल, तेलीवाड़ा पहुंचेगा। यह श्रीसंघ यात्रा बैंड, ढोल, घोड़ों व पुष्पवर्षा के साथ उल्लासपूर्वक निकाली जाएगी, जिसमें जैन समाज के साथ अनेक अनुयायी, ब्रह्मचारी व तपस्वी सम्मिलित होंगे। नगर के गणमान्य नागरिक, राजनेता एवं श्रद्धालुजनों द्वारा आचार्यश्री संघ की आगवानी वंदन, पाद प्रक्षालन ओर आरती से करेंगे।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com